दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 288

ग्वालियर, गुरुवार 07 जुलाई 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने अपने पद से दिया इस्तीफा, उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नकवी पीएम नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यक मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे थे। वे पिछली सरकार में केंद्रीय मंत्री थे। उनका राज्यसभा का कार्यकाल इसी महीने खत्म हो रहा है। बीजेपी ने उन्हें राज्यसभा का टिकट नहीं दिया था जिसके बाद यह तय हो गया था कि उन्हें मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना होगा। इस्तीफा देने से पहले नकवी ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट की बैठक में देश और लोगों की सेवा में नकवी के योगदान की सराहना की है। नकवी केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री थे और राज्यसभा में भाजपा के उपनेता भी थे। राज्यसभा में उनका कार्यकाल 7 जुलाई को समाप्त हो रहा है। पार्टी उन्हें अब कोई नई भूमिका सौंप सकती है। हालांकि उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में भी नकवी के नाम की चर्चा है। नकवी बीजेपी में हमेशा से सेंटर स्टेज पर रहे हैं। बीजेपी प्रवक्ता के रूप में उन्होंने लंबे समय तक काम किया है। इसके साथ ही बाजपेयी और आडवाणी के भी करीबी रह चुके हैं। नकवी पहली बार 1998 में लोकसभा चुनाव जीते थे और बाजपेयी मंत्रिमंडल में सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री बनाए गए थे। उसके बाद वे 26 मई 2014 को मोदी सरकार में अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री बने थे।

हिमाचल में बारिश ने मचाई तबाही, 8 लोगों की मौत की आशंका, कुल्लू में बादल फटा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। मंगलवार रात से बुधवार सुबह तक प्रदेश में भारी बारिश हुई। पूरे प्रदेश में मॉनसून की वजह से कम से कम 8 लोगों की मौत होने की खबर है। अकेले कुल्लू जिले में 7 लोग लापता बताए जाते हैं। कुल्लू से लेकर किन्नौर और शिमला सहित अन्य स्थानों पर जानमाल की नुकसान की खबरें हैं। शिमला में ढली के पास लैंडस्लाइड में जहां 14 साल की किशोरी की मौत हो गई। वहीं, उसके भाई और बहन घायल हैं। ये अपने परिवार के साथ सड़क किनारे पर सोए हुए थे। कुल्लू में मणिकर्ण घाटी में चोंज गांव की पहाड़ियों में बादल फटने से कैंपिंग साइट बह गई है। इसके साथ ही मलाणा डैम की साइट को भी नुकसान हुआ है। कसोल में भूस्खलन की वजह से सड़क पर मलबा एकत्र हो गया है। कुल्लू में भारी बारिश होने से चोज नाले में बाढ़ आ गई है। पार्वती नदी भी उफान पर है।

कुल्लू प्रशासन ने लोगों को नदी नालों के पास नहीं जाने का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही लारजी और पंडोह में पानी बढ़ने का अलर्ट जारी किया गया है। कुल्लू प्रशासन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, मंडी के सुंदरनगर के रोहित, राजस्थान के पुष्कर का कपिल, धर्मशाला का रोहित चौधरी, कुल्लू के बंजार का अर्जुन लापता हो गए हैं। इसके अलावा, इलाके में छह ढाबे, तीन कंपिंग साइड, एक गौशाला और उसमें बंधी 4 गायें बह गई हैं। वहीं, गेस्ट हाउस में भी मलबा घुसा है। साथ ही कुछ अन्य मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। मलाणा में डेम साइट में एक महिला बह गई है और उसकी मौत हो गई है। ब्यास नदी में एक कार गिर गई है और दो युवक लापता हैं। फिलहाल, तमाम फ्लड प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव का काम शुरू किया गया है सीएम जयराम ठाकुर ने कुल्लू में भारी बारिश के बाद सूबे के सभी जिलों के डीसी से बात की है और राहत और बचाव को लेकर दिशा-निर्देश दिए हैं। सीएम ने वुर्चेअली शिमला से डीसी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बात की है। किन्नौर में भी रुक रुक बारिश से जिले के कई नालों में पानी का जल स्तर बढ़ने से बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। सतलुज नदी का जल स्तर भी बढ़ा है। उपायुक्त किन्नौर आबिद हुसैन सादिक द्वारा स्थानीय लोगों व पर्यटकों से आह्वान किया है कि अनावश्यक यात्रा ना करे और जिले में 8 जुलाई तक बारिश होने की संभावना है।

उत्तराखंड में बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट

नई दिल्ली। उत्तराखंड के नैनीताल और कुछ अन्य जिलों में मौसम विभाग की तरफ से ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है। आज (6 जुलाई) राज्य के कई जिलों में मध्यम से तेज बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा 7 और 8 जुलाई को लेकर मौसम विभाग की तरफ से येलो अलर्ट जारी हुआ है। वहीं, उत्तराखंड पुलिस प्रशासन की तरफ से भी इस बीच मौसम को देखते हुए सावधानी बरतने की हिदायत दी गई है। मौसम विभाग की तरफ से दिए गए अलर्ट को देखते हुए नैनीताल के जिला अधिकारी धीराज सिंह गर्बयाल ने बताया कि बारिश की वजह से अगर कोई समस्या आती है, तो उसके लिए प्रशासन ने पूरी तैयारियां की हुई हैं। सड़कों को देखते हुए पीडब्ल्यूडी की तरफ से पूरे जिले में 43 जगहों पर जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। जिले के ऐसे गांव जहां बारिश की वजह से भारी संकट हो सकता है, उन जगहों को चिह्नित कर अगस्त महीने तक के लिए राशन सामग्री पहुंचा दी गई है।

डॉक्टर गुरप्रीत कौर से फिर से शादी करने जा रहे सीएम भगवंत मान

सीएम केजरीवाल के कार्यक्रम में पहुंचने की संभावना

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान फिर से शादी करने जा रहे हैं। सीएम मान की शादी डॉक्टर गुरप्रीत कौर से होगी। सीएम मान के लिए लड़की उनकी मां और बहन ने चुनी है। इस शादी में सिर्फ परिवार के लोग ही शामिल होने वाले हैं, हालांकि नए जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए खुद अरविंद केजरीवाल कार्यक्रम में शामिल हो रहे है। बता दें कि मान का 6 साल पहले तलाक हो गया था और उनकी पहली पत्नी और बच्चे अमेरिका में रहते हैं। पंजाब के सीएम के रूप में मान के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए उनके दोनों बच्चे पंजाब आए थे। जानकारी के मुताबिक मान की मां की इच्छा थी कि पंजाब के मुख्यमंत्री फिर से अपना घर बसाए। बता दें कि भगवंत की ये शादी किस तारीख को होगी इसका खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम का आयोजन चंडीगढ़ में होगा। बता दें कि मान की पहली शादी इंदरप्रीत कौर के साथ हुई थी, लेकिन 2015 में दोनों आपसी सहमति से तलाक लेकर अलग होने का फैसला किया था। खबरों के मुताबिक तलाक के बाद इंदरप्रीत कौर दोनों बच्चों के साथ अमेरिका चली गईं। मान के बेटे का नाम दिलशान है और बेटी का नाम सीरत है। पहली पत्नी से तलाक होने के बाद भगवंत ने फेसबुक पर लिखा था कि मुझे अपने दो परिवारों में से किसी एक को चुनना था और मैंने पंजाब को चुना है। मान के राजनीतिक सफर की बात करें, तब शुरुआती दिनों में भगवंत मान ने पंजाब पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया की राजनीति की। इसी पार्टी से उन्होंने चुनाव भी लड़ा, लेकिन हार मिली। आगे

काली पोस्टर विवाद मामले में सांसद महुआ मोइत्रा के समर्थन में उतरी अभिनेत्री स्वरा भास्कर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर अपनी बेबाकी के लिए मशहूर हैं। उन्होंने काली पोस्टर विवाद मामले में तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा का सपोर्ट किया है। इसके बाद स्वरा ट्रोलर्स के निशाने पर आ गई हैं, वहीं स्वरा ने एक के बाद एक ट्वीट में हिंदू दक्षिण पंथियों को भी नसीहत दे डाली है। स्वरा ने कहा है कि हिंदू धर्म में विविधतएं हैं और यदि आप इस धर्म के अलग-अलग रीति-रिवाजों को और परंपराओं को नहीं मानते हैं, तब यह भी धर्म का अपमान है। स्वरा ने बुधवार को महुआ मोइत्रा के लिए ट्वीट कर लिखा, महुआ मोइत्रा आप बेहतरीन हैं। आपकी आवाज को ताकत मिले। स्वरा का यह ट्वीट महुआ के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने विवादित काली फिल्म के पोस्टर को सही ठहराया है।

भारती मूल की कनाडाई फिल्ममेकर लीना मणिमेकलाई की डॉक्यूमेंट्री फिल्म काली के पोस्टर को लेकर खूब बवाल मचा है। पोस्टर में काली के किरदार में दिख रही एक अभिनेत्री को सिगरेट पीते हुए दिखाया गया है। स्वरा ने दो ट्वीट किए हैं। अपने दूसरे ट्वीट में स्वरा लिखती हैं, प्रिय हिंदू दक्षिण पंथियों और दूसरे डरे हुए दक्षिण पंथियों, यदि आप हिंदू धर्म की विविधता को नहीं समझते हैं, यदि आप इसके अलग-अलग रीति-रिवाजों और परंपराओं को स्वीकार नहीं करते हैं, तब क्या यह हमारे धर्म का अपमान नहीं है?

12 जुलाई को बिहार में विधानसभा भवन का शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे पीएम मोदी

पटना। बिहार में विधानसभा भवन का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। इन 100 सालों में विधानसभा ने कई उतार-चढ़ाव को देखा है। इस यादगार बनाने के लिए शताब्दी वर्ष के समापन मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आ रहे हैं। यह पहला मौका है, जब देश के प्रधानमंत्री किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बिहार विधानसभा परिसर में आएंगे। 12 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तरप्रदेश, बिहार और झारखंड के दौरे पर रहने वाले हैं। पीएम मोदी दोपहर बाद पटना पहुंचकर बिहार विधानसभा भवन के शताब्दी वर्ष समारोह के समापन के अवसर पर विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं। बिहार विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा की पहल के बाद यह पहला मौका है जब देश के प्रधानमंत्री बिहार विधानसभा में आ रहे हैं. इसके पहले अभी तक कोई भी प्रधानमंत्री विधानसभा परिसर में नहीं आए थे। प्रधानमंत्री पहली बार विधानसभा आ रहे हैं, इसके लिए तैयारी भी बड़ी की गई है।

सरकार और विधानसभा अध्यक्ष के स्तर पर पूरे कार्यक्रम के देखरेख की जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी बिहार विधानसभा के आयोजित कार्यक्रम में शताब्दी स्मृति स्तंभ का लोकार्पण करने, उसके बाद विधानसभा परिसर में मौजूद पार्क, जिसके 100 वर्ष पूरे होने पर इसका नाम शताब्दी पार्क रखा जाएगा, इसी शताब्दी पार्क में प्रधानमंत्री कल्पतरु का पौधा भी लगाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी उसके बाद विधानसभा में बनने वाले संग्रहालय और बिहार विधानसभा अतिथि निवास का शिलान्यास करने वाले हैं। यह अतिथि निवास ऑफ माल रोड, भवन संख्या एक और दो इको पार्क के निकट बनने जा रहा है। अत्याधुनिक तरीके से बन रहे अतिथि निवास में विधानसभा और लोकसभा से जुड़े सभी डेलीगेट आकर रह सकते हैं। विधानसभा में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के लिए विधानसभा परिसर में बाएं तरफ बड़े पार्क में बड़ा सा पंडाल बनाया जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विधान मंडल के सभी सदस्य ,लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्य, विधानमंडल के पूर्व सदस्यों और लोकसभा और राज्यसभा के सभी पूर्व सदस्यों सहित राज्य के कई गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रण भेजा जा रहा है।

खास खबर

प्राचीन खोपड़ी पर चिपकी सोने की पत्तियां, मुंह में मिले चांदी के सिक्के

एथेंस। ग्रीस के एक प्रसिद्ध म्यूजियम में प्राचीन खोपड़ी रखी हुई है। तमाम बेश्कीमती चीजों के बीच यह 2,500 साल पुरानी खोपड़ी आकर्षण का केंद्र है बन चुकी है। खबरों के मुताबिक यह खोपड़ी किसी खिलाड़ी की मानी जा रही है जो की सोने की पत्तिओं से लैस है। हैरत की बात तो यह है कि हजारों साल में मांस और त्वचा गल गया लेकिन ये पत्तियां अभी भी बरकरार हैं और खोपड़ी की हड्डिओं से चिपकी हुई हैं। खोपड़ी के मुंह के अंदर से एक चांदी का सिक्का भी मिला, जिसका संबंध ग्रीस की पौराणिक मान्यताओं से है। यह खोपड़ी क्रेटे के एक म्यूजियम में रखी सबसे आकर्षक चीजों में से एक है। खबरों के मुताबिक यह खोपड़ी प्राचीन शहर लाटो के कब्रिस्तान से मिली है। लाटो क्रेटे का एक प्राचीन शहर है जिसके खंडहर क्रित्सा गांव से लगभग 3 किमी दूर स्थित हैं, जो क्रेटे के सबसे पुराने गांवों में से एक है। क्रित्सा गांव कास्टेलोस नाम की एक चट्टान पर बसा हुआ है जो की जैतून के पेड़ से घिरा हुआ है। जानकारी के अनुसार यह खोपड़ी किसी खिलाड़ी की थी जिसे मुंह में चांदी के सिक्के और त्वचा पर सोने की पत्तियों के साथ दफनाया गया था। ग्रीस की मान्यता के अनुसार मुंह में चांदी का सिक्का खारोन के लिए रखा गया था जो मृतक की आत्मा को पाताल तक ले जाता है । इस म्यूजियम में 3000 ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईसवी की अवधि तक का पुरातात्विक खजाना रखा हुआ है। म्यूजियम में प्रदर्शन के लिए 1500 से अधिक बर्तनों के साथ-साथ प्राचीन सोने और कांस्य की चीजें भी रखी हुई हैं । फिलहाल म्यूजियम बंद है और सभी ऐतिहासिक चीजों को क्रेटे के दूसरे म्यूजियम में रखा गया है।

भोपाल में एक ही बारिश में बह गई 250 करोड़ रुपए की सड़कें

भोपाल। नगरीय निकायों के चुनाव के पूर्व भोपाल नगर निगम क्षेत्र में लगभग 250 करोड़ रुपए की लागत से सड़कों का पुनर्निर्माण कराया गया था। एक ही बार की बरसात में यह नई सड़कें बह गई हैं। भोपाल के सभी इलाकों में जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। सड़क पर डामर की सड़कों के स्थान पर अब पत्थर के टुकड़े और गिट्टी ही दिख रही हैं। चूना भट्ठी, रोहित नगर, बाबरिया, कटारा,शाहपुरा और भोपाल के कई स्थानों पर जहां अभी हाल ही में सड़कों की मरम्मत हुई थी। वहां की सड़कें एक ही बरसात में उखड़ गई हैं। नगर निगम क्षेत्र में जिस घटिया तरीके के सड़कों का निर्माण किया जाता है, जो कुछ ही समय में खराब हो जाती हैं। प्रदेश सरकार के बड़े बड़े अधिकारियों और मंत्रियों के होते हुए करोड़ों रुपए के सड़क घोटाले में सभी का मौन आश्चर्यजनक है।

कुल्लू में ब्यास नदी में गिरी कार, 2 युवक लापता, ड्राइवर घायल, आईटीबीपी जवानों ने शुरू की खोज

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बबेली स्थित व्यास नदी में कार का कार गिर गई। इस हादसे में दो युवक व्यास नदी में लापता हो गए हैं। जबकि कार के ड्राइवर को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार मंगलवार देर रात व्यास नदी में गिर गई थी। इस हादसे में कार का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है। शुरुआती जानकारी में पता चला है कि कार मंडी से मनाली की तरफ जा रही थी। प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इसके लिए आईटीबीपी की टीम बुलाई गई है।

24 घंटे में सामने आए 16159 नए कोरोना केस, 28 मरीजों की मौत

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे के भीतर कोरोना वायरस के 16,159 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 15,394 लोग कोरोना से रिकवर हुए हैं। इस दौरान 28 कोरोना से संक्रमित लोगों की मौत हो गई। देश में इस वक्त कोरोना वायरस के 1 लाख 15 हजार 212 एक्टिव मरीज हैं। जबकि प्रतिदिन पॉजिटिविटी रेट 3.56 फीसदी है। देशभर में कोरोना से अब तक 4 करोड़ 29 लाख 7 हजार 327 लोग ठीक हो चुके हैं। वहीं 5 लाख 25 हजार 270 लोगों की कोरोना वायरस के चलते मौत हो चुकी है। देश में पिछले 24 घंटे के भीतर 9 लाख 95 हजार 810 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की बात करें तो बीते मंगलवार को कोरोना वायरस के 615 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 1043 लोग कोरोना से ठीक हुए। वहीं 3 संक्रमितों की मौत हो गई। दिल्ली में इस वक्त कोरोना वायरस के एक्टिव मरीजों की संख्या 2507 हैं। वहीं मुंबई की बात करें तो बीते मंगलवार को 659 नए कोरोना संक्रमित मिले। जबकि 1289 लोग कोरोना से रिकवर हुए। मुंबई में अभी तक कोरोना से 10 लाख 90 हजार 103 लोग ठीक हो चुके हैं। मुंबई में कोरोना वायरस के एक्टिव मरीजों की संख्या 6409 है। मुंबई में रिकवरी रेट 98 फीसदी है। वहीं महाराष्ट्र के ठाणे जिले में कोरोना वायरस संक्रमण के 348 नए मामले सामने आने के बाद यहां संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,30,069 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि संक्रमण के ये नए मामले मंगलवार को सामने आए। जिले में अभी 3,982 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है। इस दौरान संक्रमण से मौत का कोई मामला सामने नहीं आया और मृतक संख्या 11,909 है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ठाणे में अभी तक 7,13,829 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस से 165 और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही राज्य में मंगलवार तक कोविड-19 की चपेट में आने वालों की कुल संख्या 11,55,024 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि आज संक्रमण के 165 नए मामले आए हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में अब तक 11,55,024 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है, जिनमें से 11,39,959 मरीज इलाज के बाद संक्रमण मुक्त हो गए हैं।

सिक्किम, बंगाल के बाद अब बिहार पर मंडराया अफ्रीका की 'जहरीली मक्खी' का खतरा

किशनगंज। देश के कई हिस्सों में इन दिनों नैरोबी फ्लाई या एसिड फ्लाई ने कहर बरपा रखा है। इस मक्खी से उत्तर बंगाल और सिक्किम में सैकड़ों लोग संक्रमित हैं। बिहार के किशनगंज से सटे पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में भी इस मक्खी के कारण बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं. अब किशनगंज में भी इस मक्खी के आने से लोग सहम गए हैं। यह मक्खी काफी जहरीली है, यह जिस जगह बैठती है वह जगह भी जहरीली हो जाती है। चींटी की तरह दिखने वाला यह कीड़ा बेहद जहरीला है। इस एसिड फ्लाई के कारण किशनगंज का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। निदेशक एमजीएम मेडिकल कॉलेज डॉ दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि जिला प्रशासन को जांच करवानी चाहिए कि यह मक्खी किस तरह बंगाल से किशनगंज की ओर बढ़ रही है। जिला प्रशासन को इसे लेकर तुरंत केंद्र और राज्य सरकार को सूचना देने की जरूरत है।

किशनगंज जिले के समीपवर्ती पश्चिम बंगाल राज्य में नैरोबी मक्खी ने आक्रमण कर दिया है। 7000 किमी दूर स्थित पूर्वी अफ्रीका की यह जहरीली मक्खी सिक्किम के रास्ते उत्तर बंगाल में प्रवेश कर चुकी है और इसके फैलने की रफ्तार बहुत तेज है। आशंका है कि सिलीगुड़ी के बिलकुल नजदीक बिहार के किशनगंज जिले में भी इसका बड़ा हमला शुरू हो सकता है। इस मक्खी के काटने से व्यक्ति की त्वचा में खुजली और जलने जैसे चकते हो जाते हैं। यह इतनी जहरीली है कि यदि इस मक?खी का जहर मनु?्य की त?वचा पर लगता है तो सबसे पहले वहां जलन और खुजली होने लगती है। यदि गलती से आंखों के पास ये मक्खी काट ले तो इसका एसिडिक जहर पीड़ित को अंधेपन का शिकार बना सकता है।

पंडित नेहरू की तुष्टीकरण की नीति से वे दुखी थे श्यामा प्रसाद मुखर्जी, इसकारण जनसंघ की स्थापना की : नड्डा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उन्होंने मौके पर पंडित दीन दयाल पार्क में वृक्षारोपण किया। उन्होंने बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू की तुष्टीकरण की नीति से डॉ. मुखर्जी दुखी और चिंतित थे। नड्डा ने बताया कि भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता देश और दुनिया में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती मना रहे हैं। 33 वर्ष की आयु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे... नेहरू की तुष्टीकरण की नीति से वे दुखी थे, चिंतित थे इसलिए उन्होंने जनसंघ की स्थापना की। इसके पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर मैं प्रदेश शासन की तरफ से भारत माता के इस सपूत को उनकी सेवाओं के लिए कोटि कोटि नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वे महान शिक्षाविद, स्वतंत्रता सेनानी, वरिष्ठ समाजसेवी थे। उन्होंने कहा कि कश्मीर अगर आज भारत का हिस्सा है, तब उसके पीछे श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संघर्ष और बलिदान है। उन्होंने आजाद भारत में नारा दिया कि एक देश में 2 प्रधान, 2 विधान और 2 निशान नहीं चलने वाले हैं। उस समये को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरा करने में मदद मिली है।

न्यूज़ ट्रैक....

कोहली से विवाद के बाद आक्रामक हुए बेयरस्टो

एजबेस्टन । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली का इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को भड़काना भारी पड़ा है। बेयरस्टो ने ही पांचवे टेस्ट मैच की दोनो पारियों में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इस मैच में रूट ने नाबाद 142 और बेयरस्टो ने नाबाद 114 रन बनाये। यह मैच पिछले साल कोरोना संक्रमण के कारण नहीं हो पाया था। विराट का एजबेस्टन टेस्ट में मैन ऑफ द मैच बेयरस्टो को उकसाना भी टीम इंडिया को भारी पड़ा है। . मैच के तीसरे दिन जब मोहम्मद शमी गेंदबाजी करने मैदान में आए तो बेयरस्टो उनकी एक गेंद को खेल नहीं पाये। तब विराट ने बेयरस्टो को उकसाने के लिए कुछ शब्द कहे पर इससे बेयरस्टो भड़क गये और उन्होंने भी पलटकर जवाब दे दिया। दोनों के बीच तीखी बहस हुई। बेयरस्टो ने न्यूजीलैंड सीरीज में भी शानदार बल्लेबाजी की थी। कोहली से विवाद से पहले बेयरस्टो धीमी बल्लेबाजी कर रहे थे पर कोहली से टकराने के बाद वह आक्रामक बल्लेबाजी करने लगे और उन्होंने गेंदबाजों की लय बिगाड़ दी।

ऋषभ की बल्लेबाजी में तकनीकी गलतियां : आसिफ

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद आसिफ ने कहा है कि टीम इंडिया के आक्रमक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बल्लेबाजी में तकनीकी गलतियां हैं। आसिफ के अनुसार ऋषभ जिस तरह से खेलते हैं उसमें आउट होने की अधिक संभावनाएं होती हैं। साथ ही कहा कि बर्मिंघम टेस्ट में इस बल्लेबाज को आसानी से आऊट किया जा सकता था पर इंग्लैंड के गेंदबाजों की कमजोरी से बह बच गये। आसिफ ने कहा कि बल्लेबाजी के दौरान यह बल्लेबाज बायें हाथ का उपयोग नहीं करता इसके बाद भी वह शतक बनाने में सफल रहा क्योंकि उसके कमजोर क्षेत्रों में गेंदबाजी नहीं की गयी। साथ ही कहा कि जब रविन्द्र जडेजा और पंत बल्लेबाजी कर रहे थे, तो वे बाएं हाथ के स्पिनर को लेकर आए जो सही फैसला नहीं था। आसिफ ने कहा कि मैं पंत के खिलाफ नहीं हूं पर विरोधी टीम के ऐसे फैसलों से आपको बड़ा स्कोर बनाने का मौका मिलता है। मैंने कुछ साल पहले कोहली की तकनीकी खराबी की ओर संकेत किये थे पर लोगों ने माना नहीं था। साथह कहा कि मुझे कोहली को देखना पसंद है और वह मुझसे बड़े खिलाड़ी हैं पर तकनीकी रूप से उसे और अधिक मेहनत करने की जरूरत है।

ऑस्ट्रेलियाई सहायक कोच विटोरी की नजरें भारत दौरे पर लगीं

मेलबोर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की नजरें अगले साल होने वाले भारत दौरे पर लगी हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जिस प्रकार पाकिस्तान ओर श्रीलंका में जीत दर्ज की है उससे उसका हौंसला बढ़ा हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के सहायक कोच डैनियल वेटोरी के अनुसार अलग-अलग जगहों पर हालात अगल-अलग तरह के होत हैं। अगर आप मोहाली में खेलते हैं तो पाकिस्तान जैसी सपाट विकेट मिल सकती है, वहीं अगर आप वानखेड़े में खेलते हैं तो वह श्रीलंका के गाले जैसी विकेट रहेगी जहां स्पिनरों को सहायता मिलेगी। वेटोरी ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अब स्वीप शॉट से ज्यादा रन बनाने का प्रयास कर रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजो की अधिकतर बाउंड्री स्वीप या रिवर्स-स्वीप से आयीं। वेटोरी ने हालांकि कहा कि कई मायनों में भारत में वह स्वीप करते हुए बाउंड्री बटोरने में इतना सफल नहीं होंगे क्योंकि भारत में हालात अलग रहेंगे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट और खिलाड़ी संघ के बीच हुआ पांच साल का करार

विश्व क्रिकेट में पहली बार पुरुष और महिला क्रिकेटरों को मिलेगी समान मैच फीस

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड में अब महिला और पुरुष क्रिकेटरों को समान वेतन मिलेगा। न्यूजीलैंड पहला देश है जिसमें ये नियम लागू होने जा रहा है। इससे पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) और खिलाड़ी संघ के बीच पांच साल का एक करार हुआ। इस करार के बाद ही एतिहासिक करार के बाद विश्व क्रिकेट में पहली बार देश की पुरुष और महिला क्रिकेटरों को सभी प्रारूपों और प्रतियोगिताओं में समान मैच फीस मिलेगी। वहीं एनजेडसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड वाइट ने अपने एक बयान में कहा, 'मैं इस तरह के अहम समझौते पर पहुंचने के लिए खिलाड़ियों और बड़े संघों को धन्यवाद और बधाई देता हूं।% उन्होंने कहा, 'यह हमारे खेल का सबसे अहम करार है जो एनजेडसी, बड़े संघों और हमारे खिलाड़ियों के लिए बाध्यकारी होने के साथ ही प्रगति और विकास का प्रतीक बनेगा।

गौरतलब है कि एनजेडसी छह बड़े संघों और न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ी संघ के बीच एतिहासिक करार के तहत न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम और घरेलू महिला खिलाड़ियों को सभी प्रारूपों और प्रतियोगिताओं में पुरुषों के समान ही मैच फीस मिलेगी। इससे साफ है कि शीर्ष रैंकिंग वाली महिला क्रिकेटरों को साल में अधिकतम एक लाख 63 हजार 246 न्यूजीलैंड डॉलर (83 हजार 432 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर), नौवें रैंकिंग की खिलाड़ी को एक लाख 48 हजार 946 न्यूजीलैंड डॉलर (66 हजार 266 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर) और 17वें नंबर की खिलाड़ी को एक लाख 42 हजार 346 न्यूजीलैंड डॉलर (62 हजार 833 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर) तक मिलेंगे।

वहीं प्रत्येक बड़े संघ की शीर्ष रैंकिंग वाली महिला घरेलू खिलाड़ियों को अधिकतम 19 हजार 146 न्यूजीलैंड डॉलर (तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर), छठी रैंकिंग की खिलाड़ी को 18 हजार 646 न्यूजीलैंड डॉलर (तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर) और 12वें नंबर की खिलाड़ी को 18 हजार 146 न्यूजीलैंड डॉलर (तीन हजार 423 न्यूजीलैंड डॉलर से बढ़कर) तक मिलेंगे।

इस करार के तहत घरेलू अनुबंध हासिल करने वाली महिला खिलाड़ियों की संख्या 54 से बढ़कर 72 होगी जबकि पुरुष खिलाड़ियों को अधिक मैच खेलने और ट्रेनिंग के साथ ही खेलने में अधिक समय बिताने के लिए अधिक रिटेनर राशि मिलेगी। इसको लेकर महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'यह अंतरराष्ट्रीय और घरेलू महिला खिलाड़ियों के लिए अच्छा है कि उन्हें पुरुषों के समान मान्यता मिल रही है।% वहीं पुरुष टीम के कप्तान केन विलियमसन ने भी इसे आगे बढ़ने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया और कहा कि महिला क्रिकेट का विकास होने के साथ ही युवा प्रतिभाएं खेलों की ओर आकर्षित होंगी।

मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट

पीवीं सिंधु का चीनी खिलाड़ी बिंग जियाओ से पहला मुकाबला आज,

मलेशिया। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु आज से मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का आगाज करेंगी। सिंधु का पहला मुकाबला चीनी खिलाड़ी बिंग जियाओ है। वहीं साई प्रणीत ने टूर्नामेंट में जीत के साथ अगाज किया है। उन्होंने पहले राउंड में टोक्यो ओलिंपिक के सेमीफाइनलिस्ट केविन कॉर्डन गौतेमाला 21-8, 21-9 से हराया।

बिंग जियाओ और सिंधु इस टूर्नामेंट में भि?ने से पहले 18 बार एक-दूसरे का सामना कर चुकी हैं। जिसमें सिंधु को 8 बार जीत मिली है और 10 बार हार का सामना करना प?ा है। इंडोनेशिया ओपन में जियाओ ने सिंधु को पहले ही दौर में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया था। वहीं दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट सिंधु 2016 में मास्टर्स का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। वहीं दो बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी जियाओ 2015 में मास्टर्स ओपना का खिताब जीती थीं। पीवी सिंधु ने इस साल सैयद मोदी इंटरनेशनल और स्विस ओपन के रूप में दो सुपर 300 खिताब जीते हैं। हालांकि सिंधु वर्ल्ड टूर स्पर्धाओं के क्वार्टर और सेमीफाइनल में लगातार पहुंच रही हैं, लेकिन शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ वह थोड़ी कमजोर दिख रही हैं।

इस साल कई टूर्नामेंट्स के आखिरी के कुछ मैचों में उन्हें थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन, चीन की चेन यू फेई और ही बिंग जियाओ, कोरिया की आन से यंग और चीनी ताइपे की ताई जू यिंग जैसी खिलाड़ियों के खिलाफ हार का सामना सामना करना पड़ा है।

मलेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में हारीं सिंधु

पिछले हफ्ते शुक्रवार को मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल मैच में दुनिया की पहले नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की ताईजू यिंग से सिंधु को हार का सामना करना पड़ा। यिंग से सिंधु की यह लगातार छठी हार थी। अगर सिंधु मास्टर्स ओपन की पहली बाधा को पार कर जाती हैं, तो क्वार्टर फाइनल में ताईजू यिंग से फिर उनकी भिड़ंत हो सकती है।

इंग्लैंड ने एजबेस्टन टेस्ट में बनाये कई रिकार्ड

एजबेस्टन । इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में जीत दर्ज करने के दौरान कई रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। इस मैच में मेजबान टीम ने 378 रनों का लक्ष्य 76.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर 145 साल का रिकार्ड तोड़ दिया। इंग्लैंड ने इस मैच में सबसे तेजी से रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया है। उसका रनरेट 4.93 रहा है। इंग्लैंड ने 378 रन का पीछा करते हुए जिस तेजी से रन बनाए, ऐसा 145 साल के क्रिकेट इतिहास में पहले कभी भी देखने में नहीं आया है। इससे पहले 350 रन से अधिक रन का पीछा करते हुए सबसे ज्यादा औसत के साथ जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड भारतीय टीम के नाम था। भारत ने 2008 में इंग्लैंड के खिलाफ 98.3 ओवर में 4 विकेट पर 387 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। तब भारतीय टीम का रनरेट 3.92 था।

इस मैच में जो रूट (142) और जॉनी बेयरस्टो (114) के शतकों से इंग्लैंड ने अपना रनरेट 5.00 के करीब पहुंचा दिया। वहीं मेजबान टीम ने जब जीत दर्ज की तो उसका रनरेट 4.93 था। यह 145 साल के इतिहास में पहला मौका है, जब किसी टीम ने 4.00 से अधिक के रनरेट से मैच जीता है।

चीन के वुहान में सुपर लीग फुटबॉल में खेलते हुए खिलाड़ी।

लोगों को एक दूसरे की मदद करते देख भर आया रिया चक्रवर्ती का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रह रही हैं. वह इस महामारी में लोगों की मदद करने की हर संभव कोशिश कर रही हैं. कुछ समय पहले रिया ने एक पोस्ट शेयर करके लोगों की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया था. वह कोरोना की दूसरी लहर में लोगों की मदद करने के लिए आगे आई हैं. अब इस मुश्किल समय में लोगों को एक-दूसरे की मदद करता देख रिया का दिल भर आया है. उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके इस बात की खुशी जाहिर की है. रिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी इस मुश्किल समय में एक-दूसरे के लिए खड़े लोगों की तारीफ की है. उन्होंने लिखा- इस मुश्किल समय में लोगों को एक-दूसरे की मदद करता देख दिल भर आया है. यह इतिहास में लिखा जाएगा. इस समय में एक-दूसरे की मदद करें, उन्हें अच्छा महसूस कराएं ना की उन्हें जज करें. एक-दूसरे से नफरत नहीं करते और साथ में इसे जीतते हैं. जैसे की मानवता इस दुनिया में फिर स्थापित हो रही है. विश्वास बनाए रखें. लव रिया. हाल ही में मदर्स डे के मौके पर रिया चक्रवर्ती ने अपनी मां के साथ अपने बचपन की प्यारी सी तस्वीर शेयर की थी. साथ ही बताया था कि वह उनकी दी हुई सीख पर अमल करने की पूरी कोशिश कर रही हैं. रिया ने फोटो शेयर करते हुए लिखा था-मेरी खूबसूरत मां, मुझे याद है जब मैं छोटी थी तब आपने मुझे ये कहा था- खुशी आपके अंदर होती है, उसके लिए बाहर मत देखो. अपने दिल में प्यार ढूंढो और तुम हमेशा खुश रहोगी मेरी बच्ची. मां मैं ये हमेशा ध्यान रखूंगी और वादा है मैं अपना बेस्ट करने की कोशिश कर रही हूं. रिया ने कुछ समय पहले अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करके लोगों की मदद के लिए कहा था. उन्होंने लिखा थाः मुश्किल समय में साथ रहना जरुरी है. उन सभी की मदद कीजिए जिनकी आप कर सकते हैं. चाहे वो छोटी हो या बड़ी. मुझे डायरेक्ट मैसेज करिए अगर मैं किसी तरह से मदद कर सकती हूं तो. मैं अपना बेस्ट करने की कोशिश करुंगी. अपना ध्यान रखिए, दयालु बनिए. प्यार. रिया. वर्कफ्रंट की बात करें तो रिया चक्रवर्ती जल्द ही फिल्म चेहरे में अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी के साथ नजर आने वाली हैं।

वरुण धवन ने डांस के जरिए फैन्स को दिया मास्क पहनने का मैसेज, वायरल हुआ वीडियो

बॉलीवुड में अपनी शानदार एक्टिंग से सफलता का मुकाम हासिल करने वाले एक्टर वरुण धवन इन दिनों अपने परिवार के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड कर रहे हैं. इसी के साथ वो कोरोना से पीड़ित लोगों की खुलकर मदद कर रहे हैं. वरुण वक्त-वक्त पर अपने फैन्स को भी सोशल मीडिया पर कोरोना से बचने के टिप्स देते हुए नजर आते हैं. हाल ही में उन्होंने बड़े ही अनोखे अंदाज में फैन्स को मास्क पहनने और सेफ रहने का मैसेज दिया है. वरुण ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर किया है. जिसमें वो डांस करते हुए नजर आ रहे हैं. वरुण की वीडियो में 'हम सीना तान के लड़ लेंगे, हम हार नहीं मानेंगे... हम हार नहीं मानेंगे' गाना बजता हुआ सुनाई दे रहा है. वीडियो में वो जबरदस्त डांस तो कर ही रहे हैं साथ ही अपने फैन्स को कोरोना से बचने के लिए मास्क पहनने का मैसेज भी दे रहे हैं. वहीं इससे पहले एक और पोस्ट में वरुण ने इस महामारी के खत्म होने के बाद किन बातों का ध्यान रखना है इस बात की जानकारी सभी को दी थी. वरुण ने बताया था कि, अगर हम सभी इससे बच जाते हैं, तो हमें ये याद रखना है कि हम जमीन, हथियार या घर, गहनों के लिए नहीं लड़ते थे. ना ही हम बिजनेस क्लास टिकट के लिए लड़े ना ही नौकरी के लिए. हमें याद रखना है कि, कोरोना महामारी के दौरान हमारी लड़ाई हवा के लिए थी. वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण कुछ वक्त पहले ही अरुणाचल प्रदेश से अपनी फिल्म भेड़िया की शूटिंग करके लौटे हैं.हालांकि कोरोना के चलते अभी फिल्म की पूरी शूटिंग नहीं हो पाई है. फिल्म में उनके साथ कृति सेनन भी मेनलीड में दिखाई देने वाली है. इसके साथ वो बहुत जल्द मिस्टर लेले और जुग जुग जियो में भी दिखाई देने वाले हैं।

राधे में गिरगिट बनकर गौतम गुलाटी ने किया फैन्स को क्रेजी

ईद के मौके पर बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान की फिल्म राधेः योर मोस्ट वॉन्टेड भाई रिलीज की गई. जिसको लेकर फैन काफी एक्साइटिड है. फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया है. और रिलीज के पहले दिन ही इसने इतिहास रच दिया था. फिल्म में टीवी एक्टर गौतम गुलाटी ने जबरदस्त विलेन का रोल निभाया जिसका नाम है गिरगिट. गौतम के इस रोल से पूरी दुनिया फैन बन चुकी है. फिल्म में उनके लुक और एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है. वहीं अब गौतम ने इसका पूरा केरेडिट सलमान खान को दिया है. अपने कैरेक्टर के बारे में बात करते हुए गौतम ने बताया कि, मैंने निगेटिव रोल निभाने के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कई वेब शो देखे, जिससे मुझे इस रोल निभाने में काफी मदद मिली है।

मुझे अभी भी कभी-कभी युवा करीना कहा जाता है: बरखा सिंह

एक्ट्रेस बरखा सिंह को आप सभी जानते होंगे, हालांकि जब आपने उनकी पहली फिल्म देखी तब वह काफी छोटी थी। अब वह 24 साल की हो गई और पूरी तरह से बदल गई। बरखा सिंह ने करीना कपूर की फिल्म मुझसे दोस्ती करोगे में उनके बचपन का किरदार निभाया था। यह रोल उन्हें कैसे मिला था, इसके बारे में बरखा ने हाल ही में स्पॉटबाय को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया। बरखा ने बताया कि, करीब 600-700 बच्चों में उन्हें चुना गया था और पांच ऑडिशन राउंड हुए थे। बरखा कहती हैं, मुझे याद है कि मैं उस भूमिका के लिए ऑडिशन दे रही थी और यह काफी कठिन था। लगभग 600-700 बच्चे थे जिन्होंने युवा टीना की भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था। मैं स्कूल के बाद ऑडिशन देने गई थी और मुझे रोल मिल गया। मैंने उसके लिए पांच राउंड ऑडिशन दिए। बच्चे का किरदार निभाने वाली बरखा यहीं नहीं रुकी। वह मानती है कि, लोग अब उन्हें हाल के काम के लिए पहचानते हैं। बरखा ने कहा कि उन्हें अभी भी कभी-कभी युवा करीना कहा जाता है। बहुत बार लोग मुझे अभी भी युवा करीना के रूप में संदर्भित करते हैं और यह आश्चर्य की बात है कि लोग वास्तव में इसे याद करते हैं। वे यहां तक कहते हैं कि मेरा चेहरा अभी भी वैसा ही है, हालांकि मुझे नहीं पता कि इसे एक तारीफ के रूप में लेना है या मजाक में। चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली बरखा फिर ऐसे रोल में नहीं दिखी। लेकिन जब वह बड़ी हुई तो उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में वापसी की। वह कहती हैं कि, इंडस्ट्री में वापस तो आ गई लेकिन वह उन लोगों तक नहीं पहुंच पाई जिनके साथ उन्होंने पहले काम किया था, जिनमें यश राज फिल्म्स भी शामिल था। बता दें बरखा सिंह अब सोशल मीडिया पर काफी जाना-पहचाना चेहरा हैं।

भगवान श्री नेमिनाथ जी का मोक्ष कल्याणक

भगवान श्री नेमिनाथ जी काजन्म सौरीपुर द्वारका के हरिवंश कुल में श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को चित्रा नक्षत्र में हुआ था। इनकी माता का नाम शिवा देवी और पिता का नाम राजा समुद्रविजय था। इनके शरीर का रंग श्याम जबकि चिह्न शंख था। भगवान नेमिनाथ के यक्ष का नाम गोमेध और यक्षिणी का नाम अम्बिका देवी था।अरिष्टनेमि को भगवान श्रीकृष्ण का निकट संबंधी माना जाता है। भगवान श्री अरिष्टनेमी अवसर्पिणी काल के बाईसवें तीर्थंकर हुए। इनसें पूर्व के इक्कीस तीर्थंकरों को प्रागैतिहासिककालीन महापुरुष माना जाता है। आधुनिक युग के अनेक इतिहास विज्ञों ने प्रभु अरिष्टनेमि को एक एतिहासिक महापुरुष के रूप में स्वीकार किया है।

वासुदेव श्री कृष्ण एवं तीर्थंकर अरिष्टनेमि न केवल समकालीन युगपुरूष थे बल्कि पैत्रक परम्परा से भाई भी थे। भारत की प्रधान ब्राह्मण और श्रमण -संस्क्रतियों नें इन दोनों युगपुरूषों को अपना -अपना आराध्य देव माना है। ब्राह्मण संस्क्रति ने वासुदेव श्री क्रष्ण को सोलहों कलाओं से सम्पन्न विष्णु का अवतार स्वीकारा है तो श्रमण संस्क्रति ने भगवान अरिष्टनेमि को अध्यात्म के सर्वोच्च नेता तीर्थंकर तथा वासुदेव श्री क्रष्णा को महान कर्मयोगी एवं भविष्य का तीर्थंकर मानकर दोनों महापुरुषों की आराधना की है। भगवान अरिष्टनेमि का जन्म यदुकुल के ज्येष्ठ पुरूष दशार्ह -अग्रज समुद्रविजय की रानी शिवा देवी की रत्नकुक्षी से श्रावण शुक्ल पंचमी के दिन हुआ। समुद्रविजय शौर्यपुर के राजा थे। जरासंध से चलते विवाद के कारण समुद्रविजय यादव परिवार सहित सौराष्ट्र प्रदेश में समुद्र तट के निकट द्वारिका नामक नगरी बसाकर रहने लगे। श्रीक्रष्ण के नेत्रत्व में द्वारिका को राजधानी बनाकर यादवों ने महान उत्कर्ष किया। आखिर एक वर्ष तक वर्षीदान देकर अरिष्टनेमि श्रावण शुक्ल षष्ठी को प्रव्रजित हुए। चउव्वन दिनों के पश्चात आश्विन क्रष्ण अमावस्य को प्रभु केवली बने। देवों के साथ इन्द्रों और मानवों के साथ श्री क्रष्ण ने मिलकर कैवल्य महोत्सव मनाया। प्रभु ने धर्मोपदेश दिया। सहस्त्रों लोगों ने श्रमणधर्म और सहस्त्रों ने श्रावक -धर्म अंगीकार किया। वरदत्त आदि ग्यारह गणधर भगवान के प्रधान शिष्य हुए। प्रभु के धर्म-परिवार में अठारह हजार श्रमण, चालीस हजार श्रमणीयां, एक लाख उनहत्तर हजार श्रावक एवं तीन लाख छत्तीस हजार श्राविकाएं थीं। आषाढ शुक्ल अष्टमी को गिरनार पर्वत से प्रभु ने निर्वाण प्राप्त किया।

भगवान के चिह्न का महत्व

शंख - भगवान अर्षिटनेमि के चरणों में अंकित चिन्ह शंख है। शंख में अनेक विशेषताएं होती है। ' संखे इव निरंजणे ' शंख पर अन्य कोई रंग नहीं चढता। शंख सदा श्वेत ही रहता है। इसी प्रकार वीतराग प्रभु शंख की भांति राग-द्वेष से निर्लेप रहते व्हैं। शंख की आक्रति मांगलिक होती है और शंख की ध्वनि भी मंगलिक होती है। कहा जाता है कि शंख -ध्वनि से ही उँ की ध्वनि उत्पन्न होती है। शुभ कर्यो जैसे - जन्म, विवाह, ग्रह -प्रवेश एवं देव-स्तुति के समय शंख -नाद की परम्परा है। शंख हमें मधुर एवं ओजस्वी वाणी बोलने की शिक्षा देता है।

सितषाढ़ सममी चूरे, चारों अघातिया कूरे 7
शिव ऊर्जयन्त तें पाई, हम पूजें ध्यान लगाई 77
? ह्रीं आषाढ़शुक्लासमय्यां मोक्षमंगलप्राप्ताय श्रीनेमि0अर्घ्यं नि0स्वाहा 7

महाराष्ट्र की राजनीति में भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व का महापंच

विनोद तकियावाला

भारतीय राजनीति में इन दिनों काफी उथल पुथल हो रहा है। खास कर महाराष्ट्र की राजनीति को लेकर जो तुफान आया था वह फिलहाल थम सा गया है।लेकिन भारतीय राजनीति पर पैनी नजर बनाये रखने वाले इस बात से सहमत नही दिख रहे है।उनका मानना है कि भले महाराष्ट्र की राजनीति में जिस तरह से भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व में सफल नाटक की पृष्टभुमि तैयार कर सफल नाटकीय रूप से एकनाथ शिंदे को मुख्य मंत्री के पद पर आसिन कर एक तीर से कई निशाने लगाये है।इसके दुरगामी परिणाम अगामी दो राज्यो के विधान सभा चुनाव व 2024 में होने वाले लोक सभा के आम चुनाव पर पड़ेगा7फिलहाल एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री व डिफटी सीएम देवेंद्र फडणवीस के रूप में पद की सपथ ले ली है ।शांत सागर को देख कर तट पर रहने मछुआरे भयंकर ज्वार भाटा आने का अंदाज लगा लेते है ठीक इसी प्रकार महाराष्ट्र की राजनीति पर यह कहावत बहुत ही हद तक सटीक बैठता है।विगत पखवाड़े में महाराष्ट्र के राजनीति महामंच मे एम वी ए के गठबन्धन की सरकार को सता के सिंघासन से बेदखल करने में नायक के रूप एकनाथ शिंदे की जितनी भुमिका रही उससे कही अधिक भुमिका पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस की रही। करीब ढाई साल पूर्व की घटना आप सभी को याद होगी जब महाराष्ट्र के विधान सभा के चुनाव 120 सीटो पर जीत हासिल कर भाजपा सबसे बडी पार्टी बन कर ना आई ब्लकि अंकगणित के गठबंधन को ध्यान मे रख कर रातों रात अपनी सरकार बन बना ली।हालाकि यह सरकार मात्र तीन दिन में चल पाई ।ठीक उसी तरह का दृश्य इन दिनो देखने को मिला।महाराष्ट्र के सिंघासन परिवर्तन में पूर्व मुख्यमंत्री का विशेष योगदान रहा है।जिस नाटकीय ढंग उद्धव ठाकरे का मुख्य मंत्री से इस्तीफा देने के पहले मुख्य आवास खाली कर दिया अपने पैतृक आवास में लौटना % शिव सैनिक से भावुक अपील करना % शिंदे को स्वयं ठाकरे व महा विकास अंगाड़ी के नेताओ द्वारा मुख्य मंत्री पद आफर करना आदि।भारतीय राजनीति जिस दौर से गुजर रही है वह काफी ही सोचनीय है।

शिंदे ने महाराष्ट्र की जनता के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि हमने अपने मन में कोई स्वार्थ नहीं है।हमारा बीजेपी के साथ नैचुरल गठबंधन था। नाराज विधायकों के द्वारा आगे भी मिलेगा।एकनाथ शिंदे ने कहा,मैं भी सरकार में काम कर रहा था , लेकिन राज्य के हित मे कुछ नहीं हो रहा था।हालाकि महाविकास आघाड़ी के लिये गये कुछ ऐसे फैसले हुए।उसका स्वागत है परन्तु आपसी वैचारिक मतभेद से हम कुछ मामलों पर आगे नही बढ़ सकते थे।उन्होंने कहा कि राज्य के हित और महाराष्ट्र की जनता केभविष्य को दृष्टि से जो कुछ हो रहा था,एम वी ए की वजह से हम कुछ फैसले नहीं ले पा रहें थे।देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा दिल दिखाया ।शिंदे ने कहा कि हम 39 और निर्दलीय 11 विधायक जब अलग फैसला लेते हैं तो समझना चाहिए था।बड़े पैमाने पर 50 लोग साथ आते,वो लोग मुझे अपनी समस्याएं बताते।हमने ये निर्णय राज्य के हित में जनता की उम्मीदें पूरी करने के लिए लिया है।उन्होंने कहा कि फडणवीस साहब ने जो फैसला लिया उसका स्वागत हो रहा है।पार्टी के 120 विधायकों की ताकत उनके पास थी,चाहते तो फडणवीस सीएम पद ले सकतें थे लेकिन उन्होंने बाल ठाकरे के शिवसैनिक को इस पद के लिए चुना,इसके लिए उनका दिल से शुक्रिया।

इसके लिए मैं मोदीजी,अमित शाह देवेंद्र जी धन्यवाद व्यक्त करता हूं।मुख्य मंत्री का पद मैने किसी लालच में नहीं लिया और ना मैंने भी कोई पद नही मांगा था।हम महाराष्ट्र को विकास की तरफ ले जाएंगे।देवेंद्र बडे दिल के व्यक्ति हैं।शिंदे ने आगे कहा कि 50

विधायकों ने बालासाहेब और धर्मवीर दिघे की भूमिका को आगे ले जाने का काम किया।उन्होंने विश्वास जताया,उनका शुक्रिया। हमारे पास 120 और 50, आज 170 की ताक़त है,आगे और भी विधायक हमसे जुड़ेंगे।केंद्र की मोदी सरकार की ताकत भी हमारे शाथ खड़ी रहेगी तो हमारी राह में कोई अड़चन नहीं आएगी।पहले जिस तरह फडणवीस के द्वारा प्रेस कांफ्रेंस में घोषणा की गई कि- मैं सरकार से बाहर रहूंगा । लेकिन पार्टी केन्द्रीय नेतृत्व के समक्ष उन्हे अपने फैसले को वापस लेने को बाध्य होकर उप मुख्यमंत्री का पद का सपथ लेना पड़ा।इसके लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की घंटी ही नही बजाई गई ब्लकि पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष को कैमरे के समाने आ कर पार्टी का फरमान सुनाना पड़ा।हालांकि इस तरह घटना पहली बार नही बल्कि बाबु लाल गौर,अशोक चौहान के साथ हो ये प्रकरण हो चुकी है।ये पहले मुख्य मंत्री रहने के बाद मंत्रीमंडल में जगह दी गई।लैकिन देवेन्द्र फड़नवीस के संदर्भ में राजनीति के मर्मज्ञ का मानना है कि फड़नवीस को अपनो की ही बुरी नजर लग गई।

विगत दिनों की फड़णवीस की राजनीतिज्ञ सफर पर गौर करें तो सन 2014 से 2019 तक महाराष्ट्र के एक सफल मुख्य मंत्री व तीन दिन के नाटकीय मुख्य मंत्री रहे।उन्हें पार्टी केन्द्रीय के नेतृत्व द्वारा कई महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए,जिसका उन्होनें सफल निर्वाहन किया ,चाहे वह विहार विधान सभा का चुनाव हो या गोवा का हो।फड़नवीस की बढ़ती लोकप्रियता के कारण इनका केन्द्रीय राजनीति व दिल्ली दरबार में भी दबे जुबान से चर्चा होने लगी कि फडणवीस धमाकेदार केन्द्र की राजनीति में इन्ट्री होने वाली है।उनकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व के कान भर्रे गये।ऐसे तो राजनीतिक पार्टी में अर्न्त कलह आम बात होती है लेकिन संघ के संरक्षण में चलने वाली भारतीय जनता पार्टी के अन्दर इस तरह घटना पहली बार देखने को मिली।जिसकी चर्चा व चिन्तन चारों ओर है।इसका पुख्ता सबूत तब देखने को मिला जब एकनाथ शिंदे के नाम की चर्चा पर फड़नवीस स्वयं दिल्ली पहुँच कर पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की तथा बाद में महाराष्ट्र जा कर एक नाथ शिंदे के लिए अनुकूल वातावरण किया ।खैर राजनीति में यह सब चलता रहता है।फिलहाल महाराष्ट्र की राजनीति में एकनाथ शिंदे के लिए सत्ता का सिंघासन की राह काँटे से सजी ताज है।अभी विधान सभा के दो दिन विशेष सत्र बुलाया गया।सर्व प्रथम विधान सभा अध्यक्ष का चुनाव व अगले दिन फ्लोर टेस्ट होगा।इसके लिए रणनीति तैयार करने में व्यस्त हो गए लेकिन महाराष्ट्र की जनता के एक ज्वलंत प्रशन उठ रहा है कि असली शिव सेना किस की है।राज ठाकरे या एकनाथ शिंदे % धनुष वाण का असली हकदार कौन है।शिव सैनिक किसके नेतृत्व में हिन्दुत्व की लड़ाई लड़ेगी।वाला साहेब के अधुरे सपने को साकार करेगा।

यह आने वाले वक्त ही बताएगा।

फिलहाल आप से यह कहते विदा लेते है कि ना ही काहूँ से दोस्ती ,ना ही काहूँ से बैर।खबरी लाल तो माँगे सबकी खैर॥

लेखक स्वतंत्र पत्रकार है।

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा। हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं। अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती।

इस्लाम को कलंकित करती है कन्हैया की हत्या

तनवीर जाफ़री

मंहगाई, बेरोज़गारी, भय, भूख, भ्रष्टाचार , सांप्रदायिकता, जातिवाद, लोकतांत्रिक, आर्थिक व सीमावर्ती चुनौतियों जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रहे हमारे देश में आये दिन कोई न कोई ऐसा %भूचाल% आ जाता है या जानबूझकर लाया जाता है जिससे देश की यह वास्तविक समस्यायें नेपथ्य में चली जाती हैं। ऐसा ही एक विषय जिसे लेकर विगत एक महीने से भी अधिक समय से पूरा देश उद्वेलित हो रहा है वह है भारतीय जनता पार्टी की प्रवक्ता के रूप में एक भाजपाई नेत्री नूपुर शर्मा द्वारा गत 27 मई को ज्ञानवापी मस्जिद के मुद्दे पर एक टीवी चैनल पर डिबेट के दौरान पैग़ंबर हज़रत मोहम्मद साहब पर की गई एक आपत्तिजनक टिप्पणी। नूपुर शर्मा द्वारा पैग़ंबर मोहम्मद साहब पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद मुस्लिम समुदाय के लोग देश के कई राज्यों में सड़कों पर प्रदर्शन करने उतर आए थे। इस दौरान कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों के उग्र हो जाने के चलते हिंसा भी भड़क उठी थी। कई इस्लामिक देशों ने भी इस टिप्पणी पर भारत सरकार से नाराज़गी दर्ज कराई थी। परिणाम स्वरूप भाजपा ने नूपुर शर्मा को प्रवक्ता पद व पार्टी से हटाते हुए यह भी कहा था कि नूपुर शर्मा का बयान भारत सरकार का मंतव्य नहीं है। परन्तु दो कट्टरपंथी लोगों ने इसी प्रकरण के चलते पिछले दिनों उदयपुर में नुपुर शर्मा समर्थक कन्हैया नामक एक दर्ज़ी की बेरहमी से गला रेत कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि हत्यारों में से एक कुछ समय पूर्व पाकिस्तान भी गया था अतः इस हत्याकांड में पाकिस्तान की कथित साज़िश की भी पड़ताल की जा रही है।

इन सब के बीच इसी प्रकरण में पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जेबी परदीवाला की अवकाशकालीन बेंच ने नुपुर शर्मा की एक अर्ज़ी पर सुनवाई करते हुए उसे कड़ी फटकार लगाई और कहा कि शर्मा के बयान ने पूरे देश में अशांति फैला दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई के दौरान नुपुर शर्मा की टिप्पणियों को ÷तकलीफ़देह÷ बताया और कहा कि ÷उनको ऐसा बयान देने की क्या ज़रूरत थी?÷ सर्वोच्च न्यायालय ने ये

सवाल भी किया कि एक टीवी चैनल का एजेंडा चलाने के अलावा ऐसे मामले पर डिबेट करने का क्या मक़सद था, जो पहले ही न्यायालय के अधीन है? माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने शर्मा की बयानबाज़ी पर सवाल किया और कहा, ÷अगर आप एक पार्टी की प्रवक्ता हैं, तो आपके पास इस तरह के बयान देने का लाइसेंस नहीं है.÷ सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि उन्हें टीवी पर जाकर पूरे देश से माफ़ी मांगनी चाहिए थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ÷जिस तरह से नुपुर शर्मा ने देशभर में भावनाओं को उकसाया, ऐसे में देश में ये जो भी हो रहा है उसके लिए वह अकेली ज़िम्मेदार हैं। माननीय अदालत ने यह भी कहा, ÷जब आपके ख़िलाफ़ एफ़आईआर हो और आपको गिरफ़्तार नहीं किया जाए, तो ये आपकी पहुँच को दिखाता है। उन्हें लगता है उनके पीछे लोग हैं और वो ग़ैर-ज़िम्मेदार बयान देती रहती हैं÷। अदालत ने इसके अतिरिक्त भी अनेक तल्ख़ टिप्पणियां कीं।

उपरोक्त अदालती टिप्पणियों से एक बार फिर यह ज़ाहिर हो गया कि देश में सत्ता अपने निजी एजेंडे पर चलने के लिये भले ही बेलगाम क्यों न हो परन्तु इसके बावजूद देश में क़ानून का राज है और देश की अदालतों के फ़ैसले ही सर्वमान्य हैं। परन्तु यदि कोई भी पक्ष भावनाओं को भड़काने के नाम पर हिंसा का सहारा ले या निर्मम हत्या का सहारा लेने लगे तो उसे किसी भी क़ीमत पर सही नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भी यदि पूरे विश्व में %भावनाओं को भड़काने% के नाम पर हत्याएं होने लगें और क़ानून के बजाये हिंसा का सहारा लिया जाने लगे फिर तो पूरा संसार ही सुलग उठेगा। आज इस दुनिया में जहां हज़रत इमाम हुसैन के मानने और उनपर अपनी जान तक न्योछावर करने वाले करोड़ों लोग हैं वहीं दुनिया में यज़ीद समर्थक भी मौजूद हैं। राम को आराध्य मानने वाले हैं तो रावण के समर्थक भी मिल जायेंगे। जहां हमारे ही देश में गाँधी को महात्मा कहने व उन्हें अपना आदर्श मानने वाले हैं वहीं उनके हत्यारे गोडसे के चाहने वालों की भी कमी नहीं। तो क्या वैचारिक मतभेद के चलते लोगों की %भावना आहत% हो और लोग एक दूसरे की हत्या और हिंसा पर उतारू हो जायें ?

केंद्र एवं राज्यों के बीच टकराव से लोकतंत्र खतरे में ?

सनत कुमार

भारतीय संविधान में संघात्मक प्रणाली की शासन व्यवस्था है। केंद्र एवं राज्यों के बीच संविधान में स्पष्ट रूप से अधिकारों एवं दायित्वों को परिभाषित किया गया है। संविधान में विधायकों प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारों तथा दायित्वों की स्पष्ट व्याख्या है। पिछले 8 वर्षों में केंद्र एवं राज्यों के संबंधों, वित्तीय एवं कानून व्यवस्था को लेकर लगातार टकराव बढ़ रहा है। कई मामलों में केंद्र ने बिना राज्य सरकार की सहमति अथवा मांग के सुरक्षा व्यवस्था में दखल देना शुरू कर दिया है। इसी तरह केंद्र की जांच एजेंसी के द्वारा केंद्र के इशारे पर राज्यों में राजनीतिक मामलों में केन्द्रीय हस्तक्षेप के आरोप लग रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपालों की भूमिका को लेकर गैर भाजपा शासित राज्यों का टकराव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। हाल ही में कुछ माहों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राज्यों की पुलिस के बीच भी सीधी टकराव देखने को मिल रहा है। पंजाब पुलिस का दिल्ली एवं हरियाणा पुलिस का सीधा टकराव 6 मई 2022 को देखने मिला। पंजाब पुलिस एक मामले में दोषी भाजपा नेता तजिन्दर बग्गा को गिरफ्तार कर पंजाब ले जा रही थी। उसी दौरान दिल्ली पुलिस में बग्गा के पिता की शिकायत पर पंजाब पुलिस पर अपहरण का मामला दर्ज कर दिया। हरियाणा पुलिस ने दिल्ली पुलिस की सूचना पर पंजाब पुलिस को रोककर आरोपी को दिल्ली पुलिस को सौंप दिया। दिल्ली पुलिस ने तजिन्दर सिंह बग्गा को पंजाब पुलिस

की गिरफ्त से छुड़ा कर उसके पिता को सौंप दिया। पिछले वर्षों में चुनाव नजदीक आते ही गैर भाजपा नेताओं को ईडी, सीबीआई आयकर के छापों को लेकर भी केंद्र एवं राज्यों के बीच लगातार टकराव बढ़ रहा है। कई राज्यों ने राज्य सरकार की अनुमति के सीबीआई के छापों पर रोक लगा दी है। इसके बाद ईडी, और आयकर के छापे राज्यों में बढ़ गए हैं। विपक्ष का आरोप होता है, चुनाव में बदनाम करने, चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने एवं चुनाव के दौरान गैर भाजपाई नेताओं को हिरासत में लेकर चुनाव को प्रभावित किया जाता है। बड़े पैमाने पर विपक्षी दलों में दलबदल कराकर सरकारों को अस्थिर करने का आरोप लगता है। महाराष्ट्र में इसी माह शिवसेना के विधायकों को ईडी के नोटिस, जांच एवं संपत्ति जप्त कर महाराष्ट्र की उद्धव सरकार को गिराने का आरोप भी केंद्र सरकार पर लग रहा है। पश्चिम बंगाल के चुनाव में केंद्र सुरक्षा बलों का अतिरिक्त बल और उसकी भूमिका को लेकर केंद्र एवं राजय के बीच बड़ा टकराव देखने को मिला था। हाल ही में छत्तीसगढ़ की पुलिस एंकर का कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट लेकर गाजियाबाद पहुंची थी। पुलिस ने देखकर आरोपी की गिरफ्तारी भी कर ली थी। किंतु कुछ ही समय बाद उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार टीवी एंकर को पुलिस की हिरासत से छुड़ाकर उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपने कब्जे मैं ले लिया। मामले को तूल पकड़ता देख उत्तर प्रदेश पुलिस ने टीवी एंकर रोहित के खिलाफ एक मामला दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी बता दी। इस कार्यवाही से उत्तर प्रदेश एवं दिल्ली पुलिस के बीच का टकराव सारा देश में चर्चा का विषय बन गया है। पिछले वर्षों में जिस तरह से केंद्र एवं राज्यों के संबंधों को लेकर टकराव देखने को मिल रहा है। इससे भारत की लोकतांत्रिक एवं संसदीय व्यवस्था के लिए चिंता का बड़ा विषय बन गया है। हाल ही में डीएमके के सांसद ए राजा ने तमिलनाडु को भारत से अलग करने की मांग उठा दी है। दिल्ली, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल एवं महाराष्ट्र राज्यों में पिछले माहों में जिस तरह केंद्र के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा है। उससे यह चिंता और भी बढ़ जाती है। आजादी के 75 वर्ष का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। स्वतंत्रता के बाद केंद्र एवं राज्यों के संबंध में कभी भी इस तरह का टकराव नहीं देखा गया। जो पिछले वर्षो से देखने को मिल रहा है। यह सही है, अभी भाजपा और गैर भाजपाई राजनैतिक दलों की सरकारें होने से यह टकराव राजनैतिक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा मान लिया जाए।

सूडोकु नवताल- 6124

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6123 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

मंदिर-मस्जिद सबके लिए खुले क्यों न हों?

वेदप्रताप वैदिक

मद्रास उच्च न्यायालय ने अभी-अभी एक फैसला दिया है, जिसका स्वागत और पालन सभी धर्मों के लोगों को क्यों नहीं करना चाहिए? यदि कोई व्यक्ति अपने धर्म के अलावा किसी धर्म के मंदिर, मस्जिद, गिरजे या गुरुद्वारे में जाना चाहे तो उसे क्यों रोका जाना चाहिए? मद्रास उच्च न्यायालय ने उस याचिका को रद्द कर दिया है, जिसमें मांग की गई थी कि कन्याकुमारी के एक मंदिर में उन लोगों को न जाने दिया जाए, जो हिंदू नहीं हैं। इस आदिकेशव पेरूमल मंदिर में 6 जुलाई को कुंभाभिषेक समारोह संपन्न होना है। याचिकाकर्ता का आग्रह था कि यदि इस अवसर पर गैर-हिंदुओं को मंदिर में जाने दिया गया तो उस समारोह की पवित्रता नष्ट हो जाएगी। दो न्यायाधीशों, पी.एन. प्रकाश और आर. हेमलता ने उसकी याचिका रद्द करते हुए यह सबल तर्क दिया कि कई हिंदू नागोर दरगाह और वेलंकन्नी गिरजे में अक्सर जाते हैं या नहीं? हिंदू मंदिरों में के.जी. येसुदास के भजन गाए जाते हैं या नहीं? उन जजों ने ये तो एक-दो उदाहरण दिए हैं। देश में ऐसे सैकड़ों-हजारों मंदिर और तीर्थ आदि हैं, जहां सभी धर्मों के लोग बराबर जाते रहते हैं। मेरा कहना यह है कि यदि ईश्वर सभी मनुष्यों का एक ही पिता है तो यह भेदभाव कैसा? मैंने तो भारत में ही नहीं, दुनिया के कई ईसाई, मुस्लिम और बौद्ध राष्ट्रों में देखा है कि उनके पूजा-स्थल सबके लिए खुले होते हैं। काबुल के लोकप्रिय सांसद बबरक कारमल, जो बाद में राष्ट्रपति बने, वे आग्रहपूर्वक मुझे दक्षिण एशिया के सबसे प्राचीन मंदिर 'आसामाई' में ले गए थे। 1969 में जनसंघ के बड़े नेता श्री जगनाथराव जोशी और दिल्ली के महापौर श्री हंसराज गुप्त मुझे भाषण देने के लिए लंदन के एक बड़े चर्च में ले गए थे। वहां आरएसएस की शाखा लगा करती थी। रोम, पेरिस और वाशिंगटन के गिरजाघरों में मुझे जाने से किसी ने कभी रोका नहीं। वेटिकन और वाशिंगटन के गिरजों में पादरियों ने आग्रहपूर्वक मेरे भाषण भी करवाए। राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन के मेहमान के तौर पर हम जब बगदाद पहुंचे तो पीर गैलानी की प्रसिद्ध दरगाह में जाने से किसी अरब सज्जन ने मुझे रोका नहीं। हां, दिल्ली के एक इमाम जो वहां थे, उन्होंने मुझसे जरुर पूछा कि आप उस दरगाह में क्या कर रहे थे? मैंने कहा आप अरबी में इबादत कर रहे थे और मैं संस्कृत में मंत्रपाठ कर रहा था। दोनों में कोई अंतर नहीं है। इसी तरह चीन और जापान के बौद्ध मंदिरों में जाने से मुझे किसी ने रोका नहीं। सूरिनाम, गयाना, मोरिशस और अपने अंडमान-निकोबार में मैंने ऐसे कई परिवार देखे हैं।

मेकअप पर इस प्रकार लगायें सनस्क्रीन

किसी भी मौसम में बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना कितना जरूरी है। सनस्क्रीन आपकी त्वचा को सूरज की नुकसानदायक किरणों से बचाती है, टैनिंग से बचाती है साथ ही ड्राई होने और बर्निंग से भी बचाता है। इन सबके अलावा यह आपकी त्वचा को समय से पहले एजिंग (उम्रदराज) होने के प्रभाव से भी रोकती है। इसलिए अगर आप बाहर जा रही हैं तो सनस्क्रीन जरुर लगायें। अगर आपने मेकअप कर रखा है तो भी सनस्क्रीन इस प्रकार लगायें अगर आप धूप में 2 घंटे से ज्यादा का वक्त बिताती हैं तो ब्यूटी ब्लेंडर से सनस्क्रीन दोबारा लगा सकती हैं। इसके लिए आपको ब्लेंडर पर बस थोड़ा सा सनस्क्रीन निकालकर इसे पूरे चेहरे पर ब्लेंड करना है। इसको चेहरे पर घुमाकर या मलकर न लगाएं वर्ना मेकअप खराब हो जाएगा। बस इस पर सनस्क्रीन लें और चेहरे पर थपथपा लें। आपकी त्वचा सनस्क्रीन को अब्जॉर्ब कर लेगी और आपका फाउंडेशन भी नहीं बिगड़ेगा। इसके बाद आप ब्लश या ब्रॉन्जर से टचअप दे सकती हैं क्योंकि यह सनस्क्रीन से हल्का हो सकता है। सनस्क्रीन लग जाए तो टचअप दे लें। धूप के प्रभाव से भी बची रहेंगी और मेकअप भी नहीं बिगड़ेगा।

खूबसूरती बढ़ाने करें ये घरेलू उपाय

खूबसूरती बढ़ाने के लिए महिलाएं तरह तरह के उपाय करती हैं और महंगे सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल करती हैं पर क्या आप जानती हैं खूबसूरती का खजाना आपके रसोईघर में ही उपलब्ध है। आपके घर में ऐसे ढ़ेर सारे खाद्य पदार्थ मौजूद होते हैं, जो हमारी सुंदरता बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

- **दूध:** प्रतिदिन चेहरे पर रुई के फाहे से कच्चा दूध लगाने पर चेहरे पर मौजूद ध्ब्बे हल्के हो जाते हैं। बाद में चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से साफ कर लें।
- **आलू कच्चे:** आलू का रस निकालकर त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बों से राहत मिलती है। आलू में मौजूद पोटैशियम सल्फर, फास्फोरस और कैल्शियम त्वचा की सफाई में मदद करता है। कच्चे आलू को काटकर आंखों के नीचे प्रतिदिन थोड़ी देर मलने से आंखों के नीचे का कालापन दूर होता है और त्वचा की रंगत भी निखरती है। आलू का रस बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में स्टार्च पाया जाता है, जिससे बालों में मौजूद अतिरिक्त तेल साफ हो जाता है। यही नहीं कच्चे आलू के रस से बालों को धोने पर बाल मजबूत होते हैं।
- **संतरा:** चेहरे पर प्रतिदिन संतरे का ताजा रस लगाने से निखार आता है। संतरे के छिलकों को थोड़े से पानी के साथ अच्छी तरह पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से मुहांसों की समस्या दूर होती है। अगर आपकी त्वचा रूखी है तो संतरा एक बेहतरीन मॉइश्चराइजर का काम करता है। एक चम्मच संतरे के रस में आधा चम्मच शहद और एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ करें।
- **सेब:** एक सेब लेकर उसे अच्छी तरह मसल लें। इसे चेहरे पर फेसपैक की तरह लगाएं। इससे त्वचा में निखार आता है। साथ ही कसावट भी आती है। सेब की एक स्लाइस काटकर इसे दांतों पर मलने से दांतों में चमक आती है।
- **अनानास:** चेहरे पर ताजा अनानास का रस लगाने से त्वचा में निखार आता है। बेहतर परिणाम के लिए इसे दिन में कई बार लगाएं।

तेज धूप से इस प्रकार करें बचाव

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही धूप में चलना मुश्किल हो जाता है। धूप के साथ-साथ आने वाली सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणें आपकी त्वचा के लिए नुकसानदायक होती हैं। चेहरे की त्वचा बहुत नाजुक होती है इसलिए ये अल्ट्रावायलेट किरणों से जल्दी प्रभावित होती है। उम्र से पहले त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियां, फाइन लाइंस, त्वचा का फटना, रंगत पर प्रभाव, झांइयों का सबसे बड़ा कारण यूवी किरणें होती हैं। ये हानिकारक किरणें कई तरह के स्किन संबंधी रोगों के साथ-साथ स्किन कैंसर का भी कारण बन सकती हैं। इसलिए अगर आप धूप की यूवी किरणों से खुद को बचाना चाहती हैं, तो इन बातों का ध्यान रखें।

सनस्क्रीन लगाएं: घर से बाहर निकल रही हैं, तो सनस्क्रीन जरूरी है। आप अपनी त्वचा के अनुसार कम से कम 20 एसपीएफ का सनस्क्रीन जरूर लगाएं। इसके अलावा अगर आप ज्यादा देर तक धूप में रहती हैं, तो आपको हर दो घंटे में सनस्क्रीन लगाते रहना चाहिए।

पूरे शरीर को ढक कर रखें: धूप में बाहर घूमने जाना है या कोई जरूरी काम है, अपने पूरे शरीर को ढक कर रखें। इसके लिए धूप का चश्मा, सिर ढकने के लिए स्टॉल, हैट और पूरी बांह के कपड़े जरूर पहनें। ध्यान रखें कि चेहरे की त्वचा नाजुक होती है इसलिए धूप में निकलने के दौरान चेहरे और हाथों को अच्छी तरह कवर करें। सूती कपड़े पहनने से पसीना जल्दी सूखता है। कोशिश करें कि आपकी हैट चौड़ी हो और चश्मा यूवी प्रोटेक्शन वाला हो।

खूब पानी पिएं: पानी हर मौसम में हमारे शरीर के लिए जरूरी है। अगर आप धूप में बाहर निकल रहे हैं, तो अपने साथ पानी की बोतल जरूर रखें। पानी पीने से शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स यानी विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इसके अलावा गर्मी में पसीना ज्यादा बहता है, इसलिए पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है। पानी पीने से त?वचा की नमी बरकरार रहती है और चमक भी बनी रहती है। इसके अलावा धूप की किरणों के कारण सनटैन का खतरा भी कम हो जाता है।

फल और हरी सब्जियां खाएं: यूवी किरणों और धूप के प्रभाव से बचने के लिए फल और सब्जियों का सेवन भरपूर करें। गर्मी के मौसम में बाजार में खीरा, ककड़ी, तरबूज, खरबूजा, अंगूर, आम आदि फल आते हैं, जो आपके शरीर को पौष्टिक तत्व भी देते हैं और पानी की कमी भी पूरी करते हैं। ताजे फलों में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो त्वचा को धूप की हानिकारक किरणों से बचाता है।

छाता लेकर चलें और जरूरी हो, तभी निकलें बाहर: गर्मियों में अगर जरूरी हो तभी घर से निकलें। आमतौर पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक धूप बहुत तेज होती है। इसलिए इस दौरान कम से कम बाहर निकलने की कोशिश करें। यदि आपको जाना भी पड़े, तो छाते का प्रयोग करें। इसके इस्तेमाल से यूवी किरणों से 99 फीसदी तक सुरक्षा मिलती है।

गर्मियों में करें इन स्वास्थ्यवर्धक जूस का सेवन, आसान हैं इनकी रेसिपी

मौसम का मिजाज बदलने लगा है और गर्मियां जल्द ही दस्तक देने वाली है। ऐसे में मौसमी और ताजे फलों का जूस पीना बहुत स्वास्थ्यवर्धक और रिफ्रेशिंग होता है। हालांकि, अगर आप गर्मियों में खुद को हाइड्रेट और स्वस्थ रखना चाहते हैं तो मार्केट में मिलने वाले जूस की बजाय घर में ही कुछ स्वादिष्ट जूस बनाकर पिएं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे जूस रेसिपी बताते हैं, जिनका गर्मियों में सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

कीवी और खीरे का जूस

चुभनभरी गर्मी से बचाने में कीवी और खीरे के जूस का सेवन मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक खीरे और दो कीवी को धोकर छिलें, फिर इन्हें छोटे-छोटे टुकड़े में काटकर एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। अब एक जूसर में बर्फ के टुकड़े, ठंडा खीरा, ठंडी कीवी, थोड़ा पानी, एक चुटकी काली मिर्च, थोड़ा नमक और कद्दूकस किया हुए अदरक डालें और इस मिश्रण को पीसने के बाद गिलास में डालकर पिएं।

संतरे और तुलसी का जूस

संतरे और तुलसी के मिश्रण से बनने वाला यह जूस न सिर्फ स्वादिष्ट बल्कि कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देने में सक्षम है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दो से तीन संतरे छिल लें, फिर इन्हें एक जूसर में कुछ तुलसी की पत्तियों, शहद और बर्फ के टुकड़े के साथ ब्लेंड करें। इसके बाद इस जूस को छानकर गिलास में डालें, फिर इसका सेवन करें। आप चाहें तो इस जूस में नींबू का रस भी मिला सकते हैं।

तरबूज और अदरक का जूस

तरबूज और अदरक का जूस बनाने के लिए सबसे पहले एक जूसर में तीन चौथाई गिलास तरबूज का रस, दो चम्मच नींबू का रस, एक चौथाई चम्मच कद्दूकस की हुई अदरक और चुटकी भर कुटी काली मिर्च डालकर अच्छे से ब्लेंड करें। अगर आपको ये कम मीठा लग रहा है तो आप इसमें शहद भी मिला सकते हैं। अंत में इस जूस में बर्फ के कुछ टुकड़े डालकर इसका सेवन करें।

मैंगो लाइम जूस

मैंगो लाइम जूस बनाने के लिए सबसे पहले दो कप कटे हुए आम को आधा कप नींबू के रस और एक कप ठंडे पानी के साथ मिक्सी में पीस लें। अब एक सॉस पैन में आधा कप चीनी और एक कप पानी को उबालें और जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसे आम वाले मिश्रण के साथ मिलाएं। इसके बाद इस तैयार मैंगो लाइम जूस को गिलास में भरे और इस पर कुछ पुदीने की पत्तियां डालकर इसे पिएं।

शरीर को मजबूती प्रदान करने में सहायक हैं ये हस्त मुद्राएं, ऐसे करें अभ्यास

अममून लोग शरीर को मजबूत बनाने के लिए जिम का सहारा लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह काम घर में ही कुछ आसान योग हस्त मुद्राओं का अभ्यास करके भी पूरा किया जा सकता है? कई ऐसी हस्त मुद्राएं हैं, जो न सिर्फ प्राकृतिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकती हैं बल्कि शरीर में लचीलापन भी ला सकती हैं। आइए आज आपको कुछ ऐसी हस्त मुद्राओं के अभ्यास का तरीका बताते हैं।

गणेश मुद्रा: सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन या फिर किसी आरामदायक मुद्रा में बैठ जाएं। अब दोनों हाथों को छाती के सामने लाकर हथेलियों को एक-दूसरे के ऊपर रखें। इसके बाद दोनों हथेलियों की उंगलियों को मोड़कर एक टाइट ग्रिप बनाएं, फिर हाथों की अवस्था को बदलें यानि जो हाथ ऊपर था उसे नीचे और नीचे वाले हाथ को ऊपर की ओर लाएं। हाथों के स्थान को 15 मिनट तक ऐसे ही बदलते रहें।

वरूण मुद्रा: वरूण मुद्रा के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की मुद्रा में बैठ जाएं और फिर अपने दोनों हाथों को इस तरह से घुटनों पर रखें कि हथेलियां आकाश की तरफ हों। इसके बाद अपनी कनिष्ठ उंगली को अपने अंगूठे की नोंक से मिलाएं और बाकि उंगलियों को सीधा रखें। अब अपनी दोनों आंखों को बंद करें और अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें। रोजाना 20 से 25 मिनट तक इस मुद्रा का अभ्यास करें।

प्राण मुद्रा: प्राण मुद्रा करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की मुद्रा में बैठें। अब अपने दोनों हाथों को अपने घुटनों पर रखें। इस दौरान हथेलियां आकाश की तरफ होनी चाहिए। इसके बाद अपने हाथों की सबसे छोटी उंगली और अनामिका उंगली को अंगूठे के नोक से छूएं। बाकी उंगलियों को सीधा रखें। फिर अपनी दोनों आंखों को बंद करें और इस मुद्रा में 20-25 मिनट तक रहने की कोशिश करें।

पृथ्वी मुद्रा: सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन या किसी भी आरामदायक स्थिति में बैठ जाएं। अब सामान्य रूप से सांस लेते हुए अपने दोनों हाथों को अपने दोनों घुटनों पर रखें। इसके बाद अपने दोनों हाथों की अनामिका यानी रिंग फिंगर के ऊपरी हिस्से को अंगूठे के ऊपरी हिस्से से मिलाएं और बाकि उंगलियों को सीधा रखें। फिर अपनी दोनों आंखों को बंद करें और अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करें।

फेस सीरम से पायें अच्छी त्वचा

अगर आप अपने रोजाना के ब्यूटी रूटीन में कुछ आसान से बदलाव कर लें तो अच्छी त्वचा पाना बेहद आसान हो जाएगा। ऐसा करने का एक सबसे बेहतरीन तरीका है स्किन केयर प्रॉडक्ट्स में सीरम को शामिल करना।

सीरम लाइट वेट लिक्विड्स होते हैं, जिनमें त्वचा को फायदा पहुंचाने वाले ऐक्टिव इग्रीडिएंट्स हाई कॉन्सट्रेशन में मौजूद होते हैं। ये इग्रेडिएंट्स त्वचा को सेहतमंद बनाने वाले मुख्य तत्वों के रूप में काम करते हैं।लेकिन एक ही सीरम हर किसी के लिए ठीक हो यह जरूरी नहीं। सीरम को लेकर इन बातों का ध्यान रखें

सीरम एक ऐसा प्रॉडक्ट है जिसमें स्किनकेयर को विस्तार देने की क्षमता है। यह त्वचा की कुछ खास समस्याओं को ध्यान में रखकर बनाया जाता है जैसे- उम्र के साथ त्वचा पर दिखने वाली बारीक रेखाएं, झुर्रियां, पिगमेंटेशन, स्किन की नीरसता और रोमछिद्रों का बड़ा हो जाना। सीरम को त्वचा पर सीधे लगाया जाता है, जहां से ये समस्याएं शुरू होती हैं, ये स्किन की ऊपरी लेयर को भेदकर उस जगह पहुंचकर उसको ठीक करते हैं, जहां से यह समस्याएं पैदा होती हैं। इसलिए अगर स्किन की कोई ऐसी समस्या है जिससे आप लंबे समय से जूझ रही हैं तो सीरम इस समस्या को दूर करने के लिए बेस्ट स्किन एजेंट है। जिन महिलाओं की त्वचा हेल्दी है वे भी विटमिन्स और प्लांट एक्सट्रैक्ट वाले सीरम को अपने डेली रूटीन में शामिल कर सकती हैं। इस तरह के डेली विअर सीरम अपनी ऐंटीऑक्सिडेंट प्रॉपर्टी के साथ आपकी त्वचा को रिपेयर करते हैं और हर मौसम में बैलेंस बनाए रखते हैं।

लगाने का सही तरीका

अच्छी स्किन केयर का सीक्रेट है इसे सही तरीके से लगाना। इसलिए आपको यह पता होना जरूरी है कि किस ऑर्डर में क्लींजिंग, टोनिंग, इनरिचिंग और मॉइश्चराइजिंग होनी चाहिए। स्किन को नरिशमेंट देने के स्टेप्स में क्लींजिंग और टोनिंग के बाद तीसरे नंबर पर आता है सीरम लगाना। इसे लगाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इसे दो उंगलियों से लगाएं ताकि यह फैले नहीं और दिन का वक्त हो तो सीरम के बाद सनस्क्रीन लगाएं और रात का वक्त हो तो एक अच्छा मॉइश्चराइजर अप्लाई करें।

अपनी त्वचा के लिए बेस्ट सीरम का चुनाव

अंदरूनी और बाहरी वातावरण में सक्रिय चीजों के अनुरूप अलग-अलग तरह की स्किन अलग-अलग तरह से प्रतिक्रिया देती है। यही वजह है कि बाजार में मौजूद रेग्युलर स्किन सीरम के अलावा आप अपनी स्किन की खास परेशानियों को ध्यान में रखते हुए ऐसे सीरम का चुनाव कर सकती हैं, जो स्किन को गहराई से ठीक कर सके। स्किन में कोलाजन और इलास्टिन बॉन्ड को टूटने से बचाने और बढ़ती उम्र के प्रभावों को रोकने के लिए आप ऐसे सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं जिनमें रेटिनॉल, पेप्टाइड्स या ऐंटिऑक्सिडेंट्स मौजूद हों। अच्छे सीरम में पेप्टाइड्ज, स्टेम सेल्स और विटमिन्स जैसे बढ़िया तत्व मौजूद होते हैं और फिलर्स नहीं होते, यही वजह है वे थोड़े महंगे हो सकते हैं।

पीरियड्स के दिनों में इस प्रकार रहें फिट

पीरियड्स एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जिससे हर महिला को गुजरना पड़ता है। समय पर पीरियड्स आना उनके स्वस्थ रहने की निशानी है हालांकि, इन दिनों में कुछ महिलाओं को अधिक ब्लीडिंग, पेट, पैर या पीठ दर्द की शिकायत होती है। कुछ महिलाओं को पीरियड्स के दौरान क्रैंप्स का दर्द असहनीय होता है। इस कारण माहवारी का समय आते ही वे घबराने लगती हैं। ऐसी महिलाओं का डर को दूर करने में नेचुरोपैथ काफी सहायक है।

सिंकाई करें: एब्डोमन की गर्म पानी की बोतल, ओवर द काउंटर पैड या हीटिंग पैच से सिंकाई करें। एब्डोमन में सिंकाई करने से यूट्रस में सिकुड़ने वाली मांसपेशियों को आराम मिलता है।

लें वार्म बाथ: पीरियड क्रैम्प्स के दर्द में वार्म बाथ आराम ही नहीं पहुंचाता, स्ट्रेस भी दूर करता है। इसके लिए बाथ टब में गुनगुना पानी में थोड़ा-सा नमक और 2-3 चम्मच अदरक का रस मिलाकर नहाना फायदेमंद होगा। इसके साथ नहाने के पानी में लेवेंडर और क्लेरी सेज एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदे डालकर नहाने से शरीर को आराम मिलेगा। दालचीनी और यूक्लिप्टस ऑयल की कुछ बूंदे मिलाकर नहाने से पेट की सूजन कम होती है।

एब्डोमन मसाज: एसेंशियल ऑयल से पेल्विक एरिया की हल्की मसाज भी पीरियड के असहनीय दर्द से राहत पहुंचाती है। तिल के तेल से मसाज भी दर्द कम करता है।

हर्बल या ग्रीन टी: अनेक तरह की जड़ी-बूटियों की चाय पीना भी पीरियड क्रैम्प्स में आराम पहुंचाती है, जैसे- कैमोमाइल टी में मौजूद ग्लाइसिन मसल्स में ऐंठन को दूर कर यूट्रस को आराम पहुंचाती है। एंटी इम्फ्लामेट्री गुणों से भरपूर कच्ची हल्दी और अदरक की चाय भी पीरियड्स के दर्द से राहत पहुंचाती है।

मसाले और हर्ब्स: पीरियड्स के दौरान होनेवाली समस्याओं को कम करने में कई मसाले और हर्ब्स काफी प्रभावी हैं। चाय में मिश्री, सौंफ और मेथी के बीज लेना फायदेमंद है। अदरक अत्यधिक रक्तस्राव और शरीरिक परेशानियों को कम करता है। इसे खाने में, चाय में या शहद में डुबोकर रखे अदरक का सेवन कर सकते हैं। दालचीनी का सेवन भी फायदेमंद है। जीरा चाय भी पीरियड्स के दर्द से आराम पहुंचाता है।

लें विटामिंस और मिनरल्स रिच डाइट: पीरियड क्रैम्प्स से राहत पाने के लिए मसल्स टोन करना जरूरी है। इसके लिए महिलाओं को रोजाना 1000 मिलीग्राम कैल्शियम का सेवन जरूरी है, जो उन्हें डेयरी उत्पादों, ब्रोकली, बादाम जैसे खाद्य पदार्थों से आसानी से मिल सकती है। बादाम, अंजीर, किशमिश जैस ड्राई फ्रूट्स का सेवन फायदेमंद है। सूजन व दर्द को कम करने में ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन-डी और ई, मैगनीशियम युक्त आहार लेना जरूरी है।

रखें खुद को हाइड्रेट

प्रतिदिन 2-3 लीटर पानी पीएं, यह आपकी शरीर में फ्ल्यूइड रिटेंशन को बनाये रखता है। पीरियड्स में गुनगुना पानी पीने से मसल्स रिलैक्स होते हैं। साथ में जहां तक हो सके, ताजे फल व उनका जूस और वेजिटेबल सूप भी लेना चाहिए। इनसे बॉडी हाइड्रेट भी होती है और शरीर में पोषक तत्वों की आपूर्ति भी होती है। अदरक, नींबू का रस और शहद मिली काली चाय ऐंठन को कम करने में सहायक रहती है।

कैफीन से परहेज

पीरियड्स के दौरान दूधवाली चाय व काफी जैसे कैफीनयुक्त पेय से परहेज करें। इससे एंजाइटी को बढ़ावा मिलता है, जो अनियमित माहवारी का कारण बन सकता है।

एक्सरसाइज से रहें फिट

आम धारणा है कि माहवारी के समय व्यायाम व योगासन नहीं करना चाहिए हालांकि, रिसर्च कहते हैं कि सप्ताह में कम-से-कम 3 दिन 15-30 मिनट व्यायाम करने से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन का लेवल को बढ़ाने में सहायक है।

कॉंग्रेस उम्मीदवार डॉ. शोभा सिकरवार ने मतदाताओं व कॉंग्रेसजनों का जताया आभार

ग्वालियर। कांग्रेस पार्टी की महापौर पद की उम्मीदवार डॉ. श्रीमती शोभा सतीष सिकरवार ने सभी मतदाताओं का सहयोग व समर्थन के लिये आभार व्यक्त करते हूये कहा है कि आप सबका एक-एक वोट अव ग्वालियर के विकास की नई इबारत लिखेगा। आप सबके आर्षिवाद से में और कांग्रेस पार्शद उम्मीदवार जीत के प्रति पुरी तरह आषान्वित है। डॉ. षोभा सिकरवार ने आम मतदाताओं से मिले व्यापक समर्थन और कॉंग्रेस पार्टी के ज्येश्ठ-श्रेश्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा की गई जी तोड़ मेहनत को प्रणाम करते हूये कहा कि हम सब कॉंग्रेस जन सर्वहारा वर्ग की आबाज बनकर जनसेबा करते रहेंगे।

कमलेश्वर महादेव मंदिर पर भागवत कथा का आयोजन धूमधाम से निकाली कलश यात्रा

पिछोर- पिछोर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कमलेश्वर महादेव मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है और करार खेड़ा ग्राम के मुख्य मार्गो से बैंड बाजे और डीजे के साथ धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई कमलेश्वर महादेव मंदिर ब्रत कथा के मुख्य अतिथि माननीय श्री के पी सिंह कक्काजू, महेंद्र श्री प्रेम पुरी जी महाराज, कथा व्यास श्री गौरव कृष्ण जी महाराज, पाठ कर्ता श्री नीरज महाराज, और कथा के मुख्य यजमान श्रीमती सोनम- संजू सेन (सहदौरा) दतिया वाले कमलेश्वर महादेव मंदिर पर कथा व्यास श्री गौरव कृष्ण जी महाराज के मुखारविंद से बहुत ही सुंदर भागवत कथा का रसपान कराया गया और भागवत कथा के अंत में आरती और प्रसाद वितरण कर कथा का समापन किया गया

छत का पानी घर के अन्दर गिरने का आरोप लगाकर की मारपीट, मामला दर्ज

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजलीं टुडे

बालाघाट। लांजी थानांतर्गत ग्राम दिघोरी निवासी पार्वती बाई पति बिरजलाल सुलाखे 54 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 6 जुलाई को सुबह लगभग 08.30 बजे बात है, मेरे पड़ोस में रहने वाले सुखचरण सुलाखे , महेश सुलाखे , रुपेश सुलाखे , श्यामवती सुलाखे व संगीता सुलाखे अपने घर से ही चिल्ला चिल्ला कर मुझे व मेरे पति बिरजलाल को गंदी गंदी गालियां देकर बोल रहे थे कि तुम्हारे मकान की छत का पानी हमारे घर के अन्दर घुस रहा है, तब मेरे पति ने उनको बोले कि गालियां क्यों दे रहे हो तुम्हारे ही मकान का पानी है, जो घर में घुस रहा है तो इसी बात पर से सुखचरण और महेश सुलाखे दोनो आये और मेरे पति को हाथ मुक्को से मारपीट करने लगे व सुखचरण ने जमीन से पत्थर उठाकर मेरे पति के मस्तक में मार दिया। जिससे मेरे पति बेहोश हो गये तथा मैं झगडा में बीच बचाव करने गई तो सुखचरण ने हाथ में रखे पत्थर से मेरे सिर में बायें तरफ मार दिया और थोड़ी देर बाद अपने घर से निकलकर रुपेश सुलाखे , श्यामवती सुलाखे व संगीता सुलाखे तीनों ने आकर मुझे पकड़ लिये और हाथ मुक्कों से मारपीट करने लगे मारपीट से मुझे सिर में बाये तरफ एवं मेरे पति को मस्तक में चोट लगी है खून निकला है। सभी लोग जाते जाते हमको बोल रहे थे कि अगर पानी जाने की व्यवस्था नहीं किये तो तुमको जान से खतम कर देने की धमकी दिये हैं। उक्त रिपोर्ट पर धारा 294,323 , 506 , 34 ताहि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

दिल्ली में नाबालिग की अपहरण के बाद हत्या, पुराने झगड़े के चलते हुई वारदात

पुष्पांजली टुडे

दिल्ली पुलिस ने 17 साल के एक नाबालिग के अपहरण और फिर उसकी हत्या के आरोप में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों के नाम आरिफ, सोहेल, शिवम और सौरव है। हत्यारों ने पीड़ित को चाकू की नोंक पर अपहरण कर लिया था। जिसके बाद इंद्रपुरी इलाके के रिज एरिया में ले जाकर हत्या कर दी। इतना ही नही चारों नाबालिगों की लाश जमीन में गाड़कर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने सबूतों को नष्ट करने नाबालिग के कपड़े भी जला दिए थे। दिल्ली पुलिस के मुताबिक 1 मई को प्रमोद नाम के शख्स ने पटेल नगर थाना इलाके से अपने बेटे के अपहरण होने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने बताया कि 2 बाइक पर सवार चार बदमाशो ने चाकू की नोंक पर उनके बेटे का अपहरण कर लिया है।

दिल्ली पुलिस ने 17 साल के एक नाबालिग के अपहरण और फिर उसकी हत्या के आरोप में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है ।गिरफ्तार आरोपियों के नाम आरिफ, सोहेल, शिवम और सौरव है ।हत्यारों ने पीड़ित को वीरवार को चाकू की नोंक पर अपहरण कर लिया था। जिसके बाद इंद्रपुरी इलाके के रिज एरिया में ले जाकर हत्या कर दी । इतना ही नही चारों नाबालिगों की लाश जमीन में गाड़कर फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने सबूतों को नष्ट करने नाबालिग के कपड़े भी जला दिए थे।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक 1 मई को प्रमोद नाम के शख्स ने पटेल नगर थाना इलाके से अपने बेटे के अपहरण होने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने बताया कि 2 बाइक पर सवार चार बदमाशो ने चाकू की नोंक पर उनके बेटे का अपहरण कर लिया है।

दिल्ली पुलिस ने अपहरण की जगह आसपास के इलाकों के करीब 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमे अपहरणकर्ता नाबालिग को ले जाते हुए दिख रहे थे।

पुरानी रंजिश के चलते की गई हत्या। गिरफ्तार आरोपियों का मृतक नाबालिग के साथ पुराना झगड़ा चला आ रहा गया। गिरफ्तार आरोपी आरिफ ने 29 जून को मृतक नाबालिग के कुछ दोस्तों के खिलाफ पटेल नगर थाने में मामला भी दर्ज करवाया था।

नेहल तुमेश्वर गौतम ने सरपंच चुनाव जीतकर रचा किर्तिमान

ऐतिहासिक जीत का कारण बना युवा वर्ग, पारिवारिक पृष्ठभूमि तथा ऊर्जावान नेतृत्व

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलीं टुडे

बालाघाट। जिसकी तस्वीर में तेज, जिसकी वाणी में मधुरता, जिसकी चाल में अंगारे, जिसकी बुद्धि में सरस्वती मां का वास, ऐसी विलक्षण प्रतिभा को भला कौन हरा सकता है। कौन कहता है कि आसमान में सुराख हो नहीं सकता बशर्ते एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मे इस बार ऐसा ही कुछ हुआ है जिसमें ग्राम वासियों ने कद्दावर नहीं बल्कि एक ऐसे युवा को सरपंच की जिम्मेदारी सौंपी है, जो कि वादे नहीं बल्कि गांव का विकास करना चाहता है। 1 जुलाई को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दूसरे चरण के नतीजे सामने आए। जिसमें क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुम्हारी खुर्द + जिवनारा मे महज 23 वर्ष के युवा समाजसेवी नेहल गौतम पर भरोसा जताकर उसे जीत का ताज पहनाया है। ग्राम पंचायत सरपंच के लिए नेहल गौतम चुनावी मैदान में उतरे थे। प्रचार प्रसार के दौरान सभी प्रत्याशियों ने बड़े-बड़े वादे किए और मन लुभावनी योजनाओं की बात की और घोषणा पत्र जारी किए। लेकिन गांव के मतदाताओं ने अपना आशीर्वाद नेहल तुमेश्वर गौतम को वोट देकर अपना सरपंच बना दिया है। सरपंच का परिणाम आते ही ढोल ढमाकों के साथ कुम्हारी खुर्द के ग्रामवासियों ने नेहल गौतम के जीत का जश्न मनाया । क्योंकि जितनी मेहनत नेहल गौतम ने खुद चुनाव जीतने के लिए किया था, उससे कहीं ज्यादा मेहनत ग्रामवासी युवा सरपंच को विजय श्री दिलाने के लिए कर रहे थे। ग्रामीणों ने ढोल ढमाकों के साथ गाँव के बेटे का स्वागत किया । बता दें कि इसके पुर्व इनके माता स्व.लीना गौतम एवं पिता तुमेश्वर टीकाराम गौतम दोनों ग्राम पंचायत कुम्हारीखुर्द+जिवनारा से सरपंच रह चुके हैं। साथ ही स्व. चिंतामन राव जी गौतम स्वतंत्र भारत के बालाघाट जिले के प्रथम सांसद 20 वर्ष तक रहे है। नेहल गौतम जिनके प्रपौत्र है। आप 210 वोटों से विजयी हुए हैं।

नेहल ने बताया अपनी प्राथमिकता

जीत के बाद चर्चा करते हुए नेहल गौतम ने बताया कि गांव के विकास के लिए काम करना है। जब सरपंच पद के लिए पंचायत अनारक्षित आरक्षित हुई, तभी मैंने लक्ष्य बना लिया था कि चुनाव लड़कर गांव की समस्या दूर करुंगा। अब यह सपना साकार हो गया है। गांव की हर समस्या को दूर करना और ग्रामवासियों को शासन की सभी योजनाओं का लाभ दिलवाना मेरी पहली प्राथमिकता रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में किया पौध-रोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में नीम, बरगद और सप्तपर्णी के पौधे लगाए। माधुरी आयाम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की श्रीमती विवा जोशी, श्रीमती तरूण भार्गव, श्रीमती सीमा सिंह और श्रीमती मंजु श्रीवास्तव भी पौध-रोपण में शामिल हुई। इस मौके पर शारीरिक समस्या और मानसिक निर्बलता से प्रभावित

सोसाइटी से जुड़े बच्चों पायल, पूजा, सोनम और सपना ने सांकेतिक भाषा से मुख्यमंत्री श्री चौहान को अपना परिचय दिया। सोसाइटी भोपाल शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र की पिछड़ी बस्तियों के दिव्यांग और सामान्य बच्चों की बेहतर शिक्षा और पुनर्वास के लिए कार्य कर रही है। नीलबड़ में बच्चों की देख-रेख और शिक्षा के लिए आश्रम संचालित किया जा रहा है। सोसाइटी, बच्चों को समावेशी शिक्षा के सिद्धांत के आधार पर बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयासरत है। साथ ही महिला सशक्तिकरण, व्यावसायिक एवं कौशल विकास और नशा-मुक्ति के क्षेत्र में भी गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं।

पौधों का महत्व

बरगद का धार्मिक महत्व है। आयुर्वेद के अनुसार बरगद के पेड़ से कई बीमारियों का इलाज संभव है। इसी तरह एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है। सप्तपर्णी सदाबहार औषधीय वृक्ष है, जिसका आयुर्वेद में बहुत महत्व है।

केंम्पेगवड़ा एरपोर्ट पर धर्मगुरू दीवान माधवसिंह का आगमन पर समाज बंधुओं ने किया भव्य स्वागत

पुष्पाजंली टुडे /नारायणलाल सेंणचा

बेंगलूरू – सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान माधवसिंह बेंगलूर केम्पेगवड़ा इन्टरनेशनल एरपोर्ट आगमन पर बलेपेट वडेर के अध्यक्ष सोभाराम चोयल, सचिव नारायणलाल लचेटा, एस.एस.आर.लेआट वडेर अध्यक्ष फाउलाल परिहारिया, कर्नाटका महासभा अध्यक्ष विरमराम सोलकी सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धुओ ने दीवान साहब का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया ।इस दौरान समाज बन्धुओ ने एरपोर्ट पर आईमाती के जयकारे लगाए । सीरवी समाज बलेपेट भवन उद्घाटन 8 तारीख को धर्मगुरू दीवान माधवसिंह के सानिध्य मे होगा। धर्मगुरू दीवान साहब के सहयोगी कल्याण सीरवी एवं सीरवी समाज के बड़ी सख्या में वडेर के पदाकारी मौजूद थे ।

चार दिवारी बनाकर हैंडपंप पर किया कब्जा

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट विकासखण्ड लांजी अंतर्गत ग्राम पंचायत सवारीकला के वॉर्ड नंबर 14 में ग्रामीण के द्वारा सरकारी हैंडपंप के आसपास पक्की दिवार निर्माण कर हैंडपंप पर कब्जा कर लिया है। इस बारे में वार्ड नंबर 14 के निवनिर्वाचित संभावित पंच रवि हरिणखेड़े ने जानकारी में बताया कि वार्ड नंबर 14 में सौभेलाल लटारू पटले ने हैंड पंप को अपने कब्जे में किया है, आचार संहिता का फायदा उठाकर पूरे हैंड पंप को ही अपने कब्जे में किया है। हैंडपंप पर कब्जा कर आसपास दिवार निर्माण कर लिया है जिससे अब वार्ड में पानी की किल्लत आ गई है। उक्त वार्डवासि जिसमें रवि कुमार अशोक हरिनखेडे, सीता बाई पटले, खुमराज पटले, जगदीश हरिणखेडे, जियालाल पटले ने प्रशासन से निवेदन किया है कि हैंडपंप पर किए गए कब्जे को हटाकर हैंडपंप को कब्जा मुक्त करें।

ससुराल वालो से प्रताडित होकर विवाहिता ने जहर खाकर दी थी जान

भोपाल। शहर के नजदीक बैरसिया थाना इलाके में बीते विवाहिता द्वारा जहरीला पर्दाथ खाकर खुदकुशी किये जाने के मामले में पुलिस ने जांच के बाद में मृतका के पुलिस ने इस मामले में सास ससुर समेत ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला कायम कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

संयुक्त परिवार की महत्ता

सुख दुःख में साथ निभाना, मिलकर हर जश्न मनाना, एक दूसरे पर निस्स्वार्थ प्यार लुटाना यही है संयुक्त परिवार का खजाना, इस खजाने को संभाल कर रखिए÷ रिश्तों की माला को अपनेपन के धागों में पिरोकर रखिए, मोती जुड़े हुए श्रृंगार से लगते है बिखरने पर टूट जाते है।

जैसे पाँच ऊँगलियां जुड़ कर मुट्ठी बनती है और मुट्ठी ताकत बन जाती है, वैसे ही संयुक्त परिवार की ताकत भी ज़िंदगी की हर चुनौतियों से लड़ने में अहम भूमिका निभाती है। परिवार की महत्ता समझना बहुत जरूरी है। रिश्तों में अपनापन नींव है परिवार की। आजकल संयुक्त परिवार विभक्त में छंट रहे है। अपनों की अहमियत समझे बिना परायों के आगे खुशामत करने में समझदारी नहीं। अच्छे बुरे वक्त में अपने ही साथ खड़े रहेंगे और अपनों से ही परिवार की शोभा है। एक परिवार के बिना हम सभी अकेले है। हम जीवन रुपी समुन्दर में संघर्षों के तूफान और चुनौतियों के सैलाब जैसे बहते हुए पानी के बीच यात्रा करते हैं। यदि हमारे पास सहारा देने के लिए एक परिवार नहीं है तो हम अक्सर इस यात्रा में विफल रहते हैं और जीवन की हर चुनौतियां हार जाते है। परिवार हमें बुरे समय से गुजरने की शक्ति देता है और हमारे साथ अच्छे समय का जश्न मनाता है।

इंसान की फ़ितरत है छोटी सी बात पर बुरा मानना, एक दूसरे को छोटा दिखाने के लिए गलत टोन में सुनाना, अपमान करना, और रिश्ते में पड़ी दरार को भरने की बजाय दूरी को बढ़ाना। ज़िंदगी में जब बुरा वक्त आता है तब हम अपनों की ओर ही नज़र दौड़ाते है समाज में दूर खड़े रहकर तमाशा देखने वालों की कमी नहीं।

भाई-भाई में सास-बहू में ननंद-भाभी में या कोई भी रिश्ते में अनबन होती है पर चर्चा करो झगड़ा नहीं। अनबन को मतभेद तक सिमित रखो मनभेद नहीं बनाना चाहिए। क्यूँ लहज़े में मिठास नहीं रख सकते, अपनों के प्रति ज़हर उगलने में कौन सी बहादुरी है ? कितनी भी कड़वाहट हो रिश्ते में पर जब अपनों के उपर आफ़त आती है तब अपनों का दिल ही जलता है।

आज के इंसान को अकेलापन रास आने लगा है शायद अपने आप में गुम होता अपनों के हाथ की गिरह छुड़ाकर दूर होता जा रहा है। और फिर मोबाइल के आभासी दोस्तों में अपनापन ढूँढता है। समझता भी है की आभासी दुनिया में कोई किसीका नहीं एक ज़रा सी लाइक ना देने पर आप ब्लॉक लिस्ट में विराजमान हो जाते हो।

अपनें चाहे कितने भी रुठे हो एक दो मीठे बोल पर गले लग जाते है। अगर रिश्ता बचाने के लिए थोड़ा झुकना पड़े तो झुक जाईये अपनों के आगे झुकने में शर्म कैसी। बड़प्पन दिखाकर अपनी गरिमा बनाएँ रखें रिश्ते खिल उठेंगे।

क्या साथ लेकर आए थे क्या लेकर जाएँगे। ट्रेन या बस के छोटे से सफ़र में भी हम दोस्त बना लेते है तो ज़िंदगी के सफ़र में किस्मत से जो अपने मिले है उनको क्यूँ संभाल कर नहीं रख सकते।

कोई हज़ारों साल नहीं जीने वाला सबको एक दिन मिट्टी में दफ़न होना है। एसा कोई दिया नहीं जिस पर हवा की नज़र नहीं तो गुरुर किस बात का। अगर रुठा है कोई अपना तो मना लीजिए, या आप रुठे हो किसीसे तो मान जाया किजीए। ज़िंदगी का जश्न अपनों के साथ मनाने में मजा है गैरो में दम कहाँ जो हर मोड़ पर साथ दें। क्या मतलब रह जाएगा वक्त गुजर जाने के बाद आपको अपनों की किंमत समझ आए तो। इसलिए अपनों की इस अनमोल पूंजी को सहजकर रखिए। परिवार का मान सन्मान एक दूसरे के साथ रहकर बढ़ता है एकता में ही समझदारी है।

भावना ठाकर 'भावु' बेंगलोर

नगर के विकाष के लिये आमजन भाजपा को वोट दे: भदौरिया

संतोष सिंह भदोरिया

गोरमी। नगर परिषद चुनाव की तैयारी हेतु गोरमी नगर परिषद के वार्ड नंबर 11 की उम्मीदवार रजनी ओमकार यादव वार्ड नंबर 7 के उम्मीदवार पवन तोमर वार्ड नंबर 3 की उमीदवार सुनीता निर्मल आर्य एवं वार्ड एक के उम्मीदवार रामस्वरूप सखवार के चुनावी कार्यालय का उद्घाटन विधिवत पूजा अर्चना के साथ फीता काटकर मध्य प्रदेश सरकार मैं राज्यमंत्री श्री ओ पी एस भदौरिया के मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि के रुप में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मुकेश चौधरी जी भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह गुर्जर जिला मंत्री राजकुमार जैन एवं अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने की कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने किया मंच का संचालन संतोष सिंह भदौरिया द्वारा किया गया इस अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री ओ पी एस भदौरिया ने उपस्थित वार्ड वासियों से अपने वार्ड एवं नगर के विकास के लिए भाजपा को वोट देने की अपील की किससे घूरमी नगर का सुचारू रूप से विकास जारी रहे इस अवसर पर उन्होंने

प्रदेश सरकार कि गरीब कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार से वर्णन किया इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मुकेश चौधरी ने कहा कि आज आम जनमानस भाजपा की ओर देख रहा है हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आमजन एवं गरीब के जीवन में जो विश्वास पैदा किया है उसी वजह से आज आमजन भाजपा इस तरफ जा रहा है आप सब लोग भी अपने नगर के विकास के लिए भाजपा के प्रत्याशियों को विजई बनाएं यदि प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार की योजनाओं को सुचारू रूप से आमजन तक पहुंचाया जा सके इस अवसर पर किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह गुर्जर ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किसानों एवं गरीब कल्याण के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही है उसका विस्तार से वर्णन किया एवं आमजन से भाजपा उम्मीदवारों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान में भाग लेकर विजय बनाने की अपील की अंत में आभार प्रगट पार्षद पद के उम्मीदवारों ने किया।।इस अवसर पर मुख्य रूप से पार्टी के जिला मंत्री राजकुमार जैन गोकुल सिंह परमार दलबीर सिंह तोमर अरविंद वर्मा ओमकार यादव निर्मला आर्य मोनू शर्मा पवन तोमर मेहगांव मंडल अध्यक्ष गजेंद्र भदोरिया राजवीर सिंह गुर्जर रोहित कर्दया बल्लू पांडे मनीष अग्रवाल सुभाष सोनी शिवराज यादव राममोहन शर्मा उत्तम शुक्ला राहुल थोकदार संजू खान बीटू यादव रामलखन सखवार कालीचरण शाक्य आदि कार्यकर्ता एबम स्थानीय वार्डवासी मौजूद थे।

पवन ऊर्जा का भी प्रमुख केंद्र बन सकता है मप्र

भोपाल। ऊर्जा उत्पादन के मामले में मध्य प्रदेश, देश का एक बड़ा केंद्र माना जाता रहा है। यहां कोयले से चलने वाले कई थर्मल पावर प्लांट या कहें ताप विद्युत संयंत्र हैं। वहीं प्रदेश अक्षय ऊर्जा का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। प्रदेश में सौर ऊर्जा का तेजी से विकास हो रहा है। इसके साथ ही सरकार ने पवन ऊर्जा के विस्तार पर भी जोर देना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार को 12 गीगावॉट का अक्षय ऊर्जा का लक्ष्य 2022 के अंत तक हासिल करना है जिसमें से अब तक महज 2.6 गीगावॉट सौर ऊर्जा और 2.5 गीगावॉट पवन ऊर्जा की क्षमता स्थापित की जा सकी है। पवन ऊर्जा के गैर परंपरागत ऊर्जा का एक प्रमुख स्त्रोत है। मप्र में सर्वाधिक पवनचक्कियों की स्थापना इंदौर, देवास, मंदसौर, राजगढ़ तथा अगार मालवा आदि जिलों में की गई है। प्रदेश में सर्व प्रथम वर्ष 1995 में देवास जिले के जामगोदरानी पहाड़ी में 64 पवन चक्की स्थापित की गई है, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 15 मेगावाट है। वहीं पिछले 15 साल में प्रदेश में 78 गुना बढ़ा विंड एनर्जी जनरेशन हुआ है।

2500 मेगावॉट विंड एनर्जी का उत्पादन

हवा से बिजली बनाने यानि विंड एनर्जी जनरेशन के मामले में मप्र लगातार प्रगति कर रहा है। 2007 में हमारे यहां हवा से सिर्फ 32 मेगावाट बिजली बन रही थी। यह आंकड़ा बढ़कर अब 2500 मेगावॉट पहुंच गया है। यानी मप्र में बीते 15 सालों में 78 गुना इजाफा हुआ है। प्रदेश में सबसे पहले देवास के नजदीक सोनकच्छ में छोटी सी पहाड़ी पर यह सिस्टम लगे थे। अब देवास के अलावा उज्जैन, धार, आगर मालवा, शाजापुर और रतलाम जिलों के में भी हवा से बिजली पैदा की जा रही है।

मप्र अभी देश में आठवें नंबर पर

विंड एनर्जी जनरेशन के मामले में मप्र अभी देश में आठवें नंबर पर हैं। प्रदेश में विंड एनर्जी के मामले को लेकर की गई पड़ताल में यह जानकारी सामने आई। इसमें ये भी पता चला कि प्रदेश में सिर्फ पश्चिमी हिस्से यानी मालवा के इलाकों में ही विंड एनर्जी के सेटअप लगे हैं। प्रदेश के अन्य इलाकों के मुकाबले यहां हवा की रफ्तार ज्यादा रहती है। पिछले 5 साल में विंड एनर्जी के मामले में काम की रफ्तार थोड़ी धीमी हुई है। इसकी वजह केंद्र सरकार की गाइड लाइन है जिसमें टैरिफ तय करने के अलावा टेंडर के आधार पर ही बिजली खरीदे जाने का जिक्र है।

मालवा में विंड एनर्जी के लिए परिस्थितियां अनुकूल

मौसम विशेषज्ञ के शुक्ला के मुताबिक यदि हवा का रुख पश्चिमी है और पहाड़ी या घाटी का ढलान भी पश्चिमी है तो ऐसे स्थान पर हवा की रफ्तार भी ज्यादा रहेगी। इसे विंड वर्ड साइड कहते हैं। मालवा इलाके के ज्यादातर क्षेत्रों में विंड एनर्जी के लिए परिस्थितियां इसीलिए अनुकूल हैं। अन्य इलाके ली साइड में है वहां हवा की रफ्तार कम होती है।

डॉ. मुखर्जी की जयंती पर मुख्यमंत्री, प्रदेश प्रभारी एवं प्रदेश अध्यक्ष ने किया माल्यार्पण

भोपाल। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती पर प्रदेश भर में सेवा कार्य एवं स्वच्छता अभियान के साथ पार्टी नेताओं ने पौधारोपण कर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का पुण्य स्मरण किया। प्रदेश कार्यालय के समक्ष डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव,प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी सहित पार्टी के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर डॉ. मुखर्जी अमर रहे के उद्घोष किए। पुष्पांजलि के पश्चात विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चरणों में हम श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। उन्हीं के बताए मार्ग पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपा सरकार और प्रदेश की सरकार चल रही है। श्रद्धेय मुखर्जी ने जो संकल्प लिया था कि एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेंगे। उसके लिए उन्होंने अपना बलिदान दिया। मुखर्जी के इस संकल्प को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरा किया है। कश्मीर में अब दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं है। कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है यह डॉ. मुखर्जी की बदौलत है। प्रदेश कार्यालय के समीप डॉ. मुखर्जी के माल्यार्पण कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक शर्मा, प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी, प्रदेश प्रवक्ता नेहा वग्गा, निगम अध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा, प्रदीप त्रिपाठी, अभय प्रताप सिंह, एसएस उप्पल, सरिता देशपाण्डे सहित प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर-उज्जैन में बारिश से शिप्रा का जलस्तर बढ़ा

इंदौर। मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन तक इंदौर समेत प्रदेश भर में अति भारी बारिश होती रहेगी। स्क्कके मध्य में लो प्रेशर एरिया बनने से भारी बारिश हो रही है। नए सिस्टम के कारण मध्यप्रदेश मानसून का केंद्र बन गया है। भोपाल में दो दिन बाद अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार ग्वालियर, चंबल और बघेलखंड के कुछ हिस्सों को छो? दिया जाए, तो अधिकांश इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है। इंदौर में मंगलवार को कुछ ही घंटों में 4 इंच बारिश हो गई, तो कई इलाकों में नदी-नाले उफान पर आने से कई मार्ग भी बंद हो गए हैं। उज्जैन और इंदौर में लगातार बारिश के बाद शिप्रा

का जलस्तर बढ़ता जा रहा है। शिप्रा नदी के घाटों पर बने मंदिर डूबने लगे हैं। वहीं बड़नगर को जोड़ने वाला छोटा पुल भी शिप्रा नदी में जलस्तर बढ़ने से डूब गया है।

बीते 24 घंटों की बात करें, तो मध्यप्रदेश के कई जिलों में नदी-नालों के उफान पर आ गए। भोपाल में सोमवार की बारिश ने आधे से ज्यादा शहर को जलमग्न कर दिया, तो इंदौर में सीजन में पहली बार इतनी बारिश में ने हालात बिगाड़ दिए। सुखतवा नदी के नए पुल पर डेढ़ फीट पानी आने से भोपाल-इंदौर हाईवे तक बंद हो गया। हरदा में अजनलाल नदी ने कहर बरपाया। इससे होशंगाबाद-खंडवा स्टेट हाईवे बंद हो गया। उज्जैन में सड़कों में पानी ओवरफ्लो हो गया। राजगढ़ में बिजली गिरने से एक की मौत हो गई, तीन लोग झुलस गए। छिंदवाड़ा में जुन्नारदेव नदी ने तबाही मचा रखी है।

नौकर ने की छात्रा की हत्या, घर पर चला बुलडोजर

उज्जैन। 9वीं की स्टूडेंट की हत्या दुकान के नौकर राहुल भील (25) ने की थी। आरोपी बच्ची के नाना की दुकान पर काम करता है। वह चोरी की नीयत से घर में घुसा था। लेकिन बच्ची ने उसे देख लिया, जिसके बाद आरोपी ने गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। आशंका है कि बच्ची के साथ दुष्कर्म भी हुआ था, लेकिन मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी।

बच्ची की हत्या भाटपचलना थाना क्षेत्र के खे?वदा में 2 जुलाई को हुई थी। 13 साल की बच्ची सुबह से लापता थी, इसी दिन शाम को उसका शव अर्धनग्न अवस्था में घर की दूसरी मंजिल पर बोरे में बंद मिला था। बच्ची अपने नाना-नानी के यहां रहकर पढ़ाई करती थी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामला जांच में लिया।इलाके में लगे सीसीटीवी और क्लिनिक से पूछताछ में सुराग मिले। जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर मंगलवार को मामले का खुलासा किया गया। गिरफ्तारी के बाद प्रशासन ने आरोपी के घर को जेसीबी से तोड़ दिया।

तलाक लेने आए पति ने सरे बाजार लगाई आग; हाथ, पैर और चेहरा झुलसा

बीच सड़क पर पत्नी को पेट्रोल डालकर जलायो, हालत गंभीर

भोपाल। कोतवाली इलाके में सरे बाजार पति ने पत्नी पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। महिला सड़क पर चीखती रही। उसकी चीख सुनकर आए लोगों ने गड्ढों और घरों से पानी लाकर आग बुझाई। महिला का हाथ, पैर और चेहरा बुरी तरह चेहरा झुलस गया। पति राजस्थान का रहने वाला है। वह तलाक के पेपर कम्प्लीट कराने के लिए भोपाल ससुराल आया था।

शाजिदा नगर में रहने वाली मुस्कान खान (22) की शादी 4 अप्रैल 2019 को अलीगंज छबड़ा, राजस्थान में रईस खान से हुई थी। मुस्कान ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद से पति उसे परेशान करने

लगा। वह घर पर फोन करती थी तो उसे शक होता था। मारपीट करता था। तंग आकर इसी साल 18 मार्च को बहन सना के पास रहने के लिए भोपाल आ गई। अपना खर्च चलाने के लिए मारवाड़ी रोड में रहने वाले रिजवान के घर की देखरेख की नौकरी करने लगी।मुस्कान मंगलवार दोपहर ड्यूटी पर थी। दोपहर ढाई बजे पति का फोन आया।

कहा कि तलाक के पेपर स्क्क ऑनलाइन शॉप पर जाकर कम्प्लीट कर लो। देर शाम वह शॉप ढूंढ रही थी। रास्ते में पति को खड़ा देखा।

कुछ समझ पाती, इससे पहले पति हाथ पकड़कर घसीटने लगा। उसने पैंट की जेब से सीसी में रखा पेट्रोल निकाला और चेहरे पर उड़ेल दिया। बाद में लाइटर से आग लगा दी। लोग मौके पर दौडे तो वह भाग निकला।

परिजन से बात करने पर शक करता था

मुस्कान की बहन सना ने बताया कि रईस राजस्थान में हम्माली करता है। वह शादी के बाद से बहन को प्रताड़ित कर रहा है। उसकी करतूतों की वजह से बहन उससे अलग रहने लगी। मंगलवार को आरोपी गुपचुप तरीके से भोपाल पहुंचा।

फिल्म काली के पोस्टर पर गृहमंत्री हुए लाल, एफआईआर और बैन की तैयारी

भोपाल। अपकमिंग डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'काली' के पोस्टर पर मध्यप्रदेश में भी विवाद हो गया है। प्रदेश में फिल्म को बैन किया जाएगा। फिल्म की डायरेक्टर लीना मणिमेकलाई के खिलाफ स्क्कक की भी तैयारी है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि फिल्म डायरेक्टर तत्काल पोस्टर से विवादित चित्र को हटाएं, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में उत्तरप्रदेश में पहले ही डायरेक्टर लीना मणिमेकलाई के खिलाफ केस दर्ज किया जा चुका है।

काली फिल्म के पोस्टर में काली मां को आपत्तिजनक रूप से दिखाया गया है, जिसके बाद इसके जरिए हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप लग रहा है।

ग्वालियर में छिटपुट घटनाओं के बीच मतदान सम्पन्न

कांग्रेस विधायक पर मारपीट की एफआईआर दर्ज

बारिश के साथ-साथ मतदान पर्ची न मिलने से ग्वालियर में हुआ लगभग 52 फीसदी मतदान

ग्वालियर। नगरीय निकाय आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत जिले में नगर निगम ग्वालियर सहित नगर पालिका डबरा, नगर परिषद आंतरी, भितरवार, बिलौआ, पिछोर व नगर परिषद मोहना में शांतिपूर्वक मतदान सम्पन्न हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सायंकाल 5 बजे तक जिले के नगरीय निकायों में मतदान का औसत प्रतिशत लगभग 52.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं ग्वालियर के कांग्रेस विधायक पर मारपीट व एफआईआर दर्ज की गई है। जिले के सभी नगरीय निकायों के समस्त मतदान केन्द्रों में डाले गए वोटों की वास्तविक जानकारी मिलने के बाद मतदान प्रतिशत में कमी-बढ़ोत्तरी संभव है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जिले में सबसे अधिक मतदान का प्रतिशत नगर परिषद आंतरी (89.9 प्रतिशत) एवं सबसे कम मतदान का प्रतिशत नगर निगम ग्वालियर (49.3 प्रतिशत) रहा।

वैसे तो दिन भर कहीं न कहीं से मारपीट व तनाव के की खबरें आती रहीं, लेकिन शाम के समय सनातन धर्म मंदिर पोलिंग बूथ पर निर्दलीय प्रत्याशी गिरीश मिश्रा व महापौर प्रत्याशी शोभा के पति विधायक सतीश सिकरवार के बीच बहस हो गई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे से मारपीट की है। जिस पर थाने पर जमकर हंगामा हुआ है। पुलिस ने कांग्रेस विधायक व उनके भाई पूर्व विधायक पर मारपीट व धमकाने का मामला दर्ज किया है, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी के रिश्तेदारों पर भी मामला दर्ज किया गया है।

शहर की सरकार के लिए वोट पड़ रहे हैं। आप सिर्फ दो सवालों के जवाब देकर अपनी राय रख सकते हैं।

ग्वालियर में तेज बारिश ने बिगाड़ा गणित

ग्वालियर नगर निगम चुनाव में सुबह से उमस के कारण लोग बाहर नहीं निकल रहे थे, लेकिन दोपहर होते-होते मौसम बदला और दोपहर 1.30 बजे तेज बारिश शुरू हो गई है। बारिश के बाद शाम 5 बजे तक 49.3 प्रतिशत मतदान हो चुका है। यह जिले के सात नगरीय निकाय में सबसे कम प्रतिशत है। सबसे ज्यादा 89.9 प्रतिशत आंतरी नगर परिषद में हुआ है। शहर में दोपहर तक कई जगह छुटपुट तनाव की सूचनाएं मिलती रही हैं। वार्ड-2 घोसीपुरा बहोड़ापुर में फर्जी मतदान की आशंका पर पुलिस ने दोनों प्रत्याशियों को थाने में बैठाया है। इसी तरह वार्ड-5 के प्रत्याशी रिंकू परमार, कांग्रेस के पीसी शर्मा व बागी प्रत्याशी विश्वनाथ को थाने में नजरबंद कर लिया गया था।

मतदान की झलकियां

पिता से विवाद के बाद युवक ने स्वयं को गोली से उड़ाया

ग्वालियर। शहर के थाटीपुर थाना क्षेत्र में स्थित यमुना नगर में पिता पुत्र के बीच हुए विवाद के बाद पुत्र गुस्से में कमरे में चला गया और बहनोई की लाइसेंसी राइफल से स्वयं को गोली मारकर आत्महत्या कर ली ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतक के शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप मामले की जांच शुरू कर दी है ।

जानकारी के अनुसार

ाथाटीपुर स्थित यमुना नगर निवासी 25 वर्षीय भानू गुर्जर डेयरी चलाता है। पिता भारत सिंह से उसकी बनती नहीं थी। जिस कारण पिता उससे खर्च के लिए रुपए नहीं लेने के बदले किसी और के यहां 500 रुपए रोज पर काम करने लगा था। इस बात पर भानू, उसकी बहन ज्योति व मां तीनों नाराज थे। वह भारत सिंह को मना करते थे कि वह बाहर काम करने न जाए। लेकिन भारत सिंह मानने को तैयार नहीं था। बुधवार सुबह भी जब भारत सिंह घर से निकल रहा था तो भानू की उससे बहस हुई थी। इस पर पिता ने बेटे से बोला कि वह काम पर नहीं जा रहा है बल्कि वोट डालने जा रहा है। पर भानू को पता था कि पिता काम पर जा रहा है। उसे इसमें बेइज्जती महसूस हुई। भानू कमरे में अंदर पहुंचा और संदूक से राइफल निकालकर सिर से लगाकर और पैर की अंगुलियों से ट्रिगर दबा दिया। गोली की आवाज सुनते ही परिजन कमरे में पहुंचे। कुंडी खोली तो भानू मृत पड़ा हुआ था।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस जब पहुंची तो मौके पर छेड़छाड़ के सबूत मिले हैं। मौके से राइफल गायब थी। पुलिस ने जब पड़ताल की तो पता लगा कि परिजन ने राइफल छुपाकर ऊपर दूसरे कमरे में रख दी है। पुलिस ने राइफल को जब्त किया है। पता लगा है कि राइफल मृतक के बहनोई लोकेन्द्र गुर्जर की है। लोकेन्द्र एसएएफ में जवान है। अभी टीकमगढ़ में तैनात है। उसने चुनाव में अपनी राइफल जमा नहीं कराई थी।

संसार में ऐसे व्यक्ति भी हैं जिनके पास दौलत तो खूब है लेकिन शांति नहीं है: मुनिश्री

ग्वालियर। व्यक्ति चाहे करोड़ों कमाले, हीरा मोती, जवाहरात के ढेर लगाले लेकिन रुपये पैसे से व्यक्ति अमर नहीं बन सकता। धन केवल सुविधा दे सकता है, मृत्यु से विजय नहीं दिला सकता। मृत्यु साष्वत सत्य है । रुपये पैसे से मौत पर विजय नहीं पाई जा सकती है। धन से सिफ सुविधाएं ही खरीदी जा सकती है। संसार में ऐसे व्यक्ति भी हैं जिनके पास दौलत तो खूब है लेकिन शांति नहीं है। यह विचार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज बुधवार को ठाठीपुर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुनिश्री ने कहा कि रिश्तों पर उद्बोधन देते हुए मुनिश्री ने कहा कि संसार के समस्त रिश्ते स्वार्थ के वषीभूत होकर चल रहे हैं। व्यक्ति जो कुछ करता है वो स्वयं की खुशी के लिए करता है। स्वयं का सुख और स्वयं का प्रेम ही सभी रिश्तों को आगे बढ़ाता है, चाहे रिश्ता पति-पत्नी का हो, बाप-बेटा का हो, भाई-भाई का हो अथवा कोई भी रिश्ता हो सिर्फ स्वयं के स्वार्थ के लिये ही रिश्तें चलते रहते हैं। पति को पत्नि से और पत्नी को पति से सुख मिलता है, पिता यह सोचकर पुत्र का ध्यान रखता है कि वो बुढापे में उसका सहारा बनेगा, वहीं पुत्र पिता से धन मिले इसीलिए रिश्तों को निभाते हैं। प्रभू से भी व्यक्ति हमेशा कुछ न कुछ लेने की लालसा में ही हाथ जोडता है या उसके द्वार जाता है।

मुनिश्री गायत्री नगर पहुँचे, शाम को दाना ओली के लिए विहार हुआ

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री विनय सागर जी महाराज ठाठीपुर स्थित गायत्री विहार गुरुभक्त विकास जैन सोनू के निवास पर पहुंचे।यहां गुरुदेव के पादप्रक्षालन कर आशीर्वाद लिया। मुनिश्री की आहराचार्य भी संपन्न कराई। मुनिश्री शाम को ठाठीपुर से पद विहार कर दाना ओली पहुँचे।

जीवन का लक्ष्य आत्म शांति होना चाहिए

मुनिश्री ने कहा कि जीवन का लक्ष्य आत्म शांति होना चाहिए। आत्म शांति इस रंग-बिरंगी मृग मारीचिका में नहीं मिल सकती। शांति भवनों में नहीं, शांति विषयों में नहीं, शांति तो अपने अन्दर है। इस शांति के लिए मात्र अपने अंदर जाना है। जब हम अपनी दृष्टि को पर पदार्थ से यानि विषय कषायों से हटा लेते हैं तो हमारे अन्दर ही शांति का झरना फूट पड़ता है। अपने भीतर देखो, अपने भीतर ही सब कुछ है, अपने भीतर जाना ही दुनियाँ को समझना है।

गुरू हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं

मुनिश्री ने कहा कि गुरू हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं और हमें संस्कारित कर होनहार बनाते हैं। हमारे अज्ञान को मिटाकर सूर्य के प्रकाश के समान ज्ञान प्रदान करते

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात वाहन से कुचलकर युवक की मौत

ग्वालियर। शहर के गोला का मंदिर थाना क्षेत्र में स्थित लेबर चौक के पास अज्ञात वाहन से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गोला का मंदिर थाना पुलिस को सूचना मिली कि लेबर चौक के पास अज्ञात वाहन से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतक के शव को कब्जे में लिया। वाहन की चपेट में आकर युवक का फिर बुरी तरह कुचल चुका था मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है ।पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर उसकी शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

बकरियां लूटकर चरवाहे की हत्या

ग्वालियर। देहात के आरोन क्षेत्र में 3 दिन पहले बकरियां चराने जंगल में गए चरवाहे से बदमाशों ने 3 लाख रुपए के मवेशी लूटने के बाद उसकी हत्या कर दी आज चरवाहे की लाश बेरखेड़ा के जंगल में पड़ी मिली है।लाश इतनी गली है कि मृतका कंकाल तक बाहर आ गया है, पुलिस ने मृतक का शव पीएम के लिए भेज जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसारदेहात के आरोन स्थित बेरखेड़ा में रहने वाला 40 वर्षीय महेन्द्र आदिवासी चरवाहा था। वह तीन दिन पहले सुबह के समय 25 बकरियां लेकर जंगल में चराने के लिए निकला था, इसके बाद वह वापस ही नहीं लौटा। रात तक महेन्द्र और बकरियों का कुछ पता नहीं चला तो परिवार को चिंता हुई। गांव वालों के साथ मिलकर परिजन ने उसे जंगल में तलाशा, लेकिन महेन्द्र को नहीं ढूंढ पाए तो आरोन थाने पहुंचे और सूचना दी। पुलिस ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कर पड़ताल शुरू की। उसकी तलाश में सुबह गांव वालों के साथ फिर परिवार निकला था। गांव से करीब करीब 10 किलोमीटर दूर घने जंगल को खंगालते समय उसकी लाश पड़ी मिली है। वह जमीन पर औंधे मुंह मृत पड़ा हुआ था। उसके सिर के बाल और चेहरे मांस गायब था। शेष शरीर सही सलामत था। परिजन ने पुलिस को मौके पर बुला लिया। उसके साथ मिलकर जंगल को काफी अंदर तक और खंगाला, लेकिन बकरियां नहीं मिलीं हैं, प्रारंभिक पड़ताल के बाद पुलिस का मानना है कि महेन्द्र की हत्या हुई होगी। इसकी संभावना बहुत ज्यादा है कि किसी ने मवेशी लूटे होंगे। महेन्द्र ने विरोध किया होगा तो उसकी हत्या कर दी गई है।

सर्पदंश से महिला की मौत

ग्वालियर। शहर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में स्थित न्यू शंकरपुर में सर्पदंश से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है ।जानकारी के अनुसार न्यू शंकरपुर कॉलोनी निवासी सुमन नामदेव को 2 दिन पहले सुबह के समय सांप ने काट लिया था उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां बीती रात उपचार के दौरान सुमन की मौत हो गई ।पुलिस ने मृतका का शव पीएम के बाद परिजनों को सौंप मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

कई मतदाताओं के बदले मतदान केंद्र, नहीं मिली कईयों को पर्चियां

ग्वालियर। नगरीय निकाय निर्वाचन के तहत आज ग्वालियर में मतदाता बेहद परेशान रहे। मतदातदाओं को प्रशासन और नगर निगम द्वारा बांटी जाने वाली वोटर पर्ची भी नहीं मिली। प्रशासन इन्हें बांटने में असफल रहा। रही-सही कसर अचानक मतदान केन्द्रों के परिवर्तन से हुई। लगभग 50 से 60 प्रतिशत मतदाताओं के मतदान केन्द्र ही बदल दिये गये। भाजपा की मेयर प्रत्याशी सुमन शर्मा भी अपने निर्धारित मतदान केन्द्र पर पंचशील नगर पहुंची तो उनका भी मतदान केन्द्र परिवर्तित मिला।

ग्वालियर में आज हालांकि मतदान शांतिपूर्वक शुरू हुआ। मतदाताओं ने भीषण गर्मी व उमस के कारण सुबह सुबह व अपनी सुविधा के हिसाब से मतदान किया। शहरी क्षेत्र के मतदाता वोटर पर्ची न मिलने से बेहद परेशान रहे। यह वोटर पर्ची प्रशासन की टीम व नगर निगम द्वारा संयुक्त रूप से बांटी जानी थी। आकांश वार्डो के मोहल्लों व कालोनियों में यह वोटर पर्ची बंट ही नहीं सकी। लोग तथा राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं से अपने पूर्व के निर्धारित स्थान के बदले स्थान की जानकारी लेते देखे गये । वहीं कार्यकर्ता भी उनके आधार या ड्रपिक नंबर को एप पर डालकर उन्हें उनका मतदान केन्द्र बताते रहे।

वोटर पर्ची न मिलने से मतदाता जब मतदान केन्द्रों पर पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनका मतदान केन्द्र की सूची में नाम ही नहीं है, बाद में पूछताछ में पता चला कि उनका मतदान केन्द्र बदल गया। यह स्थिति अधिकांश मतदाताओं के साथ हुई। जब वह अपने मतदान केन्द्र पहुंचे तो वोटर लिस्ट में नाम ही नहीं मिला। इसी प्रकार एक ही परिवार घर के सदस्यों के नाम अलग अलग मतदान केन्द्रों पर थे। जिसमें महिलाओं को भारी परेशानी उठानी पडी। कुल मिलाकर वोटर पर्ची को लेकर अव्यवस्था का आलम रहा। जबकि प्रशासन ने दावा किया था कि मतदाताओं की सुविधा के लिये मतदान केन्द्र उनके आस पास ही बनाये गये हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478